www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 245 | जौनपुर शनिवार, 25 अप्रैल 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रुपये

संक्षिप्त खबरें

हम नीतीश के रास्ते से विचलित नहीं होने वाले : विजय चौधरी

पटना, (एजेंसी)। बिहार विधानसभा के एक दिन के विशेष सत्र में शुक्रवार को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बहुमत साबित करने के लिए विश्वास मत का प्रस्ताव पेश किया है। सदन में इस पर बहस चल रही है। इस बीच, प्रस्ताव के समर्थन में बोलते हुए, उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा कि हम नीतीश के रास्ते से विचलित नहीं होने वाले हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि श्25 से 30, फिर से नीतीश के नामश् पर सरकार बनी, लेकिन फिर सीएम बदल गए। चौधरी ने भरोसा देते हुए कहा कि 25 से 30 तक नीतीश का ही काम चलेगा। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि इस महीने नीतीश कुमार से सम्राट चौधरी को सहज सत्ता हस्तांतरण मिसाल बन गया है। आज एनडीए की दूसरी पीढ़ी सत्ता में आई है। इसको भी जनता का समर्थन है। उन्होंने कहा कि पीढ़ियां बदल रही हैं, लेकिन लोगों का विश्वास एनडीए से नहीं हट रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह कोई बड़ी बात नहीं कि एनडीए की तीसरी पीढ़ी भी सरकार बनाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव को मलाल यही है कि सरकार पर सरकार बनती जा रही है, लेकिन आपको मौका नहीं मिल रहा है, यह मौका सिर्फ बिहार की जनता ही दे सकती है और इसके लिए आपको बिहार की जनता का भरोसा जीतना होगा। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को याद करते हुए ।

पश्चिम बंगाल में पहले चरण में रिकॉर्ड मतदान पर सीजेआई ने जताई खुशी

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में गुरुवार को संपन्न पहले चरण के चुनाव में मतदान प्रतिशत 92 फीसदी से अधिक दर्ज किया गया। मतदान प्रतिशत को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने संतोष और खुशी जाहिर की है। सर्वोच्च अदालत ने इसे लोकतंत्र के लिए सकारात्मक संकेत बताते हुए कहा कि बड़ी संख्या में लोगों का मतदान में हिस्सा लेना देश की लोकतांत्रिक परंपरा को मजबूत करता है। एक सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ने टिप्पणी करते हुए कहा कि भारत का एक नागरिक होने के नाते मैं मतदान प्रतिशत देखकर बहुत खुश हूं। जब लोग वोट डालते हैं तो लोकतंत्र मजबूत होता है। जब नागरिक अपने वोट की अहमियत समझते हैं, तो वे हिंसा से दूर रहते हैं। इस दौरान जस्टिस बागची ने भी चुनाव प्रक्रिया को लेकर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पहले चरण के दौरान किसी बड़ी हिंसक घटना की खबर सामने नहीं आई, जो एक सकारात्मक संकेत है। उन्होंने कहा कि राजाओं के बीच युद्ध होता है, लेकिन जान आम लोगों की जाती है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने भी मतदान को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि 92 फीसदी से अधिक मतदान लोकतंत्र के प्रति जनता के विश्वास को दर्शाता है। कुछ छिटपुट घटनाओं को छोड़ दिया जाए।

भाजपा की सरकार बनने के बाद हर पुरानी फाइल खुलेगी और न्याय होगा : पीएम मोदी

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को दमदम में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए राज्य की कानून–व्यवस्था, महिला सुरक्षा और राजनीतिक बदलाव को लेकर तृणमूल कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला। इस दौरान उनके मंच पर आरजीकर प्रकरण में पीड़िता की मां और पनिहाटी से भाजपा उम्मीदवार रत्न देबनाथ भी मौजूद रहीं। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि भाजपा की सरकार बनने के बाद हर पुरानी फाइल खुलेगी और न्याय होगा। उन्होंने कहा कि वह बंगाल की हर बेटी को भरोसा दिलाने आए हैं कि भाजपा उनके सपनों को टूटने नहीं देगी। उन्होंने बताया कि सभा स्थल पर पहुंचने के दौरान एक बहन ने उन्हें राखी भेंट की, जिसके बाद उन्होंने बहनों की सुरक्षा को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता बताया। उन्होंने कहा कि महिलाओं के खिलाफ अत्याचार से जुड़े पुराने मामलों की फाइलें दोबारा खोली जाएंगी और दोषियों को कड़ी सजा दिलाई जाएगी। प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि राज्य में महिलाएं न्याय मांगती हैं, लेकिन उन्हें संरक्षण देने के बजाय चुप रहने की सलाह दी जाती है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल में कानून–व्यवस्था लगातार कमजोर हुई है। उन्होंने कहा कि एक मां ने अपनी बेटी को डॉक्टर बनाया, लेकिन तृणमूल कांग्रेस के शासन में उसे छीन लिया। यह स्थिति राज्य के लिए अत्यंत पीड़ादायक है। प्रधानमंत्री मोदी ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने देश को स्वतंत्रता का संदेश दिया था और अब बंगाल में नई दिशा देने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि यह बदलाव जनता के एक वोट से संभव है और मतदाता राज्य के भविष्य का फैसला करेंगे।

बिहार के सभी जिलों में चलेगा भाजपा का प्रशिक्षण अभियान : सम्राट चौधरी

पटना, (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गुरुवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी का संगठन ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है। कार्यकर्ताओं का सतत प्रशिक्षण ही संगठन को मजबूती प्रदान करता है और उन्हें विचारधारा के प्रति और अधिक प्रतिबद्ध बनाता है। भारत राजनीति उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद के सिद्धांतों को जन–जन तक पहुंचाने में प्रशिक्षण महाभियान की महत्वपूर्ण भूमिका है। भाजपा प्रदेश कार्यालय में गुरुवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026 के अंतर्गत प्रदेश प्रशिक्षण योजना को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।इस अवसर पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने उपस्थित कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रशिक्षण महाभियान के अंतर्गत भाजपा संगठन के सभी 52 जिलों में व्यापक स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिससे हर स्तर के कार्यकर्ताओं को वैचारिक एवं संगठनात्मक रूप से सशक्त किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि प्रशिक्षण के माध्यम से कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है कि वे केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन–जन तक प्रभावी रूप से पहुंचाएं, ताकि समाज के अंतिम व्यक्ति तक इन योजनाओं का लाभ सुनिश्चित हो सके।उन्होंने जोर देते हुए कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता केवल एक राजनीतिक कार्यकर्ता नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का सशक्त वाहक है। प्रशिक्षण के माध्यम से कार्यकर्ताओं में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन और जनसेवा की भावना का विकास होता है,

अभूतपूर्व’ एआई जोखिम पर सीतारमण का बयान, बैंकों को किया आगाह

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय बैंक नई तकनीक से जुड़ी चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार हैं, हालांकि उन्होंने एक नए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मॉडल से जुड़े खतरों को लेकर चिंता भी जताई। मीडिया से बातचीत में उन्होंने बताया कि एंथ्रोपिक के मिथोस एआई मॉडल से संभावित जोखिमों पर भारत नजर बनाए हुए है। यह मॉडल अपनी उन्नत क्षमताओं के कारण दुनिया भर में चर्चा में है। वित्त मंत्री ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) इस मामले में अन्य देशों की सरकारों और संस्थाओं के साथ मिलकर काम कर रहा है, ताकि इसके जोखिमों को समझा जा सके और बैंकिंग सिस्टम पर इसके असर का आकलन किया जा सके। उन्होंने कहा कि भारतीय बैंक मजबूत स्थिति में हैं, लेकिन तेजी से बदल रही एआई तकनीक के कारण ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत है। सीतारमण ने संकेत दिया कि मौजूदा नियम और सुरक्षा व्यवस्था को अपडेट करना पड़ सकता है, ताकि नई और जटिल तकनीकी चुनौतियों का सामना किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि इस मुद्दे पर बैंकों को आपस में मिलकर काम करने को कहा गया है। उनका यह बयान एक दिन बाद आया है, जब उन्होंने मिथोस एआई से जुड़े अभूतपूर्व खतरों की बात कही थी। भारतीय बैंक संघ इस विषय पर बैंकों के बीच चर्चा का नेतृत्व करेगा, ताकि पूरे सेक्टर की तैयारी को और मजबूत किया जा सके।

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर नेताओं ने शुभकामनाएं दीं, गृह मंत्री अमित शाह ने उपलब्धियां गिनाईं

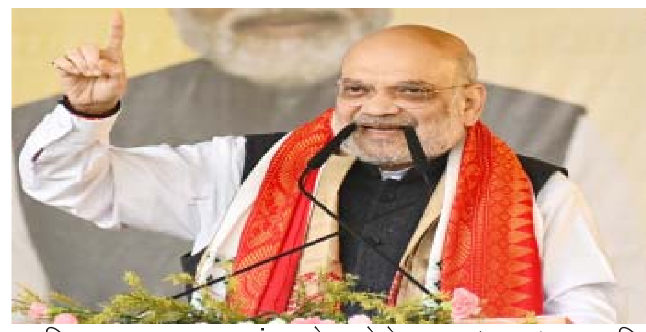

कोलकाता, (एजेंसी)। देशभर में शुक्रवार को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस मनाया जा रहा है। इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत कई बड़े नेताओं ने देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। शाह ने कहा कि मोदी सरकार में पंचायतें और अधिक सशक्त, स्वावलंबी बनकर ‘विकसित भारत’ के निर्माण में योगदान दे रही हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर लिखा, ”राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस की देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। भारत की प्राचीनतम लोकतांत्रिक परंपराओं में से एक ‘पंचायत व्यवस्था’ हमारे लोकतंत्र की मजबूत इकाई है। ग्रामीण विकास, शासन–प्रशासन, सामाजिक न्याय, आपदा प्रबंधन से लेकर सांस्कृतिक संरक्षण तक अहम भूमिका निभाने वाली पंचायतें मोदी सरकार में और अधिक सशक्त, स्वावलंबी बनकर ‘विकसित भारत’ के निर्माण में योगदान दे रही हैं।“ केंद्रीय सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस की शुभकामनाएं देते हुए ‘एक्स’ पर लिखा, ”आत्मनिर्भर भारत के सपने को पूरा करने के लिए पंचायतें सशक्त और विकसित होना जरूरी है। ग्रामीण विकास व राष्ट्र के उत्थान में पंचायती राज व्यवस्था का अहम योगदान है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पंचायती राज व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में हमारी सरकार हर संभव प्रयास कर रही है।“ केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर सभी जनप्रतिनिधियों, ग्राम पंचायतों और ग्रामवासियों को शुभकामनाएं देते हुए लिखा, ”पंचायती राज व्यवस्था जनभागीदारी की वह सशक्त धारा है, जो लोकतंत्र को सींचती है। गांव की चौपाल से लेकर विकास के बड़े संकल्प तक, हर निर्णय में जनता की सहभागिता ही असली लोकतंत्र है।“ शिवराज सिंह चौहान ने आह्वान किया कि हम सब मिलकर संकल्प लें कि अपनी पंचायत को स्वच्छ, समृद्ध, शिक्षित और आत्मनिर्भर बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। साथ ही, गांवों को समृद्ध व भारत को विकसित बनाएंगे।

मध्य प्रदेश सरकार की मंशा किसानों का गेहूं न खरीदने की : कमलनाथ

भोपाल, (एजेंसी)। भोपाल मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ रहे राज्य की मोहन यादव सरकार पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया है कि सरकार की मंशा ही नहीं है कि किसानों का समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदा जाए। राज्य में इन दिनों गेहूं की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी चल रही है। राज्य सरकार किसानों का हर एक दाना खरीदने का वादा कर रही है, वहीं कांग्रेस सरकार पर सवाल उठा रही है। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा है कि प्रदेश की भाजपा सरकार ने इस बार किसानों के खिलाफ ऐसा चक्रव्यूह रचा है कि किसान आसानी से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं बेच ही न पाएं। पूर्व मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि भाजपा सरकार ने पहले तो बारदाने की कमी का बहाना बनाकर गेहूं खरीद की प्रक्रिया को करीब एक महीना पीछे खिसका दिया। इसका परिणाम यह हुआ कि छोटे किसानों को औने–पौने दाम पर बिचौलियों को गेंहू बेचने को मजबूर होना पड़ा। जब गेंहूं खरीद प्रक्रिया शुरू हुई तो छोटे किसानों की स्लॉट बुकिंग को सैटेलाइट सर्वे का बहाना बनाकर अस्वीकृत कर दिया। किसान समझ ही नहीं पा रहा है कि उसके खेत में जो फसल खड़ी है, वह सैटेलाइट से अस्वीकृत क्यों हो रही है। इसके बाद किसानों को लगातार स्लॉट बुकिंग में समस्या का सामना करना पड़ रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने आरोप लगाया है कि छोटे किसानों को इस चक्रव्यूह में फंसाने के बाद सरकार मझोले और बड़े किसानों के खिलाफ नया कुचक्र लेकर आई और यह व्यवस्था कर दी कि पहले पांच एकड़ से कम के किसानों का गेंहू खरीदा जाएगा, उसके बाद दूसरे किसानों का गेंहू खरीदा जाएगा। सरकार को अच्छी तरह पता है कि छोटा किसान पहले ही बड़ी संख्या में बिचौलियों को गेंहू बेच चुका है। इस तरह सरकार ने छोटे और मझोले दोनों तरह के किसानों से कम से कम गेंहू खरीदने का तरीका निकाल लिया। राज्य सरकार की ओर से गेहूं खरीदी के जारी किए गए आंकड़ों का जिक्र करते हुए कमलनाथ ने कहा है कि 23 अप्रैल तक के सरकारी आंकड़े बताते हैं।

प्रदेश में आम जनता को न्याय मिलना कठिन होता जा रहा है : अखिलेश यादव

लखनऊ, (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार पर कानून–व्यवस्था, न्याय व्यवस्था और चुनावी माहौल को लेकर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में आम जनता को न्याय मिलना कठिन होता जा रहा है और प्रशासनिक तंत्र पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। लखनऊ स्थित पार्टी मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में अखिलेश यादव ने हाथरस सहित विभिन्न घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि कई मामलों में पीड़ितों को न्याय नहीं मिल पाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ भी अन्याय हो रहा है और उनकी आवाज दबाई जा रही है। सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि सत्ता से जुड़े लोग सरकारी तंत्र का दुरुपयोग कर जमीनों पर कब्जा कर रहे हैं उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान की भावना को बनाए रखना आवश्यक है। चुनावी परिदृश्य पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने पश्चिम बंगाल का जिक्र किया और कहा कि वहां भारी संख्या में सुरक्षाबलों की तैनाती के बावजूद जनता अपने मताधिकार का प्रयोग करती है। उन्होंने संकेत दिया कि उत्तर प्रदेश में भी चुनाव के दौरान व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की जा सकती है। अखिलेश यादव ने प्रशासनिक अधिकारियों को लेकर कहा कि वे बदलते राजनीतिक संकेतों को समझ रहे हैं और अपनी कार्यशैली में उसी के अनुरूप बदलाव कर रहे हैं।

किसानों को मिल रहा वैज्ञानिक लाभ, कृषि उत्पादन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति : सीएम योगी

लखनऊ, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को लखनऊ में क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन (उत्तर क्षेत्र) के शुभारंभ कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश कृषि उत्पादन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है। यह बदलाव वैज्ञानिक तकनीकों, एग्रो–क्लाइमेटिक जोन आधारित रणनीति तथा केंद्र–राज्य सरकारों के समन्वित प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि यूपी में ”लैब टू लैंड“ की अवधारणा धरातल पर उतर चुकी है, जिससे किसानों को सीधे लाभ मिल रहा है। कृषि विकास दर में उल्लेखनीय वृद्धि, प्रति हेक्टेयर उत्पादन में रिकॉर्ड सुधार, बहुफसली खेती का विस्तार और वैल्यू एडिशन पर बढ़ता फोकस इस परिवर्तन के स्पष्ट संकेत हैं। मुख्यमंत्री ने क्षेत्रीय कृषि सम्मेलनों, अंतरराष्ट्रीय कृषि केंद्रों की स्थापना, कृषि विज्ञान केंद्रों के सशक्तीकरण और प्रगतिशील किसानों की भूमिका को इस बदलाव का प्रमुख आधार बताते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश आज देश की कृषि अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने की क्षमता रखता है। अपने संबोधन में सीएम योगी ने कहा कि अलग–अलग देशों और क्षेत्रों में भिन्न–भिन्न एग्रो–क्लाइमेटिक जोन होने के कारण नीतियां भी उसी अनुरूप तय की जानी चाहिए। यदि अलग–अलग जोन में इस प्रकार की गोष्ठियां आयोजित की जाएं तो उसके सकारात्मक परिणाम सामने आते हैं। मुख्यमंत्री ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि गत वर्ष ‘विकसित कृषि अभियान’ और ‘खेती की बात, खेत में’ कार्यक्रम के दौरान उन्हें कई जनपदों में जाने का अवसर मिला, जहां किसानों, कृषि वैज्ञानिकों और कृषि शिक्षा से जुड़े प्रशिक्षुओं में अभूतपूर्व उत्साह व जिज्ञासा देखने को मिली। पहली बार इनोवेशन को सीधे व्यावहारिक धरातल पर उतारने का अवसर मिला है। पहले लैब में होने वाले अनुसंधान को लैंड तक पहुंचने में काफी समय लगता था, लेकिन अब ”लैब टू लैंड“ की अवधारणा साकार हो चुकी है और तकनीक सीधे खेत तक पहुंच रही है। इस अभिनव पहल के लिए मुख्यमंत्री ने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने इस अवधारणा को व्यवहारिक रूप से देशभर में लागू करने का महत्वपूर्ण कार्य किया है। सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के पास कृषि क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैंय आवश्यकता केवल प्रभावी नेतृत्व की है, जिसकी शुरुआत भारत सरकार के स्तर से होती है और राज्य उसे तेजी से अपनाते हैं। पहले नीतियां केवल औपचारिक आयोजनों तक सीमित रह जाती थीं, लेकिन अब उनके ठोस परिणाम सामने आ रहे हैं। अन्नदाता किसानों को योजनाओं की सही जानकारी दी जाए, तो वे स्वयं बेहतर परिणाम देने में सक्षम हैं। सीएम योगी ने वर्ष 2017 की स्थिति का जिक्र करते हुए बताया कि उस समय प्रदेश में मात्र 69 कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) थे, जो लगभग निष्क्रिय अवस्था में थे और उनके वैज्ञानिक भी अन्य संस्थानों में अटैच थे। इसके बाद केंद्र सरकार द्वारा 20 नए केवीके की पहल के साथ–साथ मौजूदा केंद्रों को सशक्त बनाने की कार्ययोजना पर काम हुआ। आज स्थिति यह है कि सभी केवीके सक्रिय होकर नवाचारों को बढ़ावा दे रहे हैं और प्रदेश के सभी 9 एग्रो–क्लाइमेटिक जोन में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के माध्यम से कृषि विकास को नई दिशा दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज ये वैज्ञानिक स्थानीय स्तर पर डेमोंस्ट्रेशन करते हैं और फिर किसानों के खेत में जाकर उसे लागू करते हैं, लगातार दौरे करते हैं, निरंतर गोष्ठियां चलती हैं और विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। साथ ही भारत सरकार के साथ उनका सतत संवाद बना रहता है। इसी का परिणाम है कि उत्तर प्रदेश की कृषि विकास दर 8 से बढ़कर लगभग 18 प्रतिशत तक पहुंच गई है। परिणाम बताते हैं कि हम इससे भी बेहतर उपलब्धियां हासिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि आजादी के समय भारत की अर्थव्यवस्था में कृषि का योगदान लगभग 41–42 प्रतिशत था। समय के साथ इसका योगदान घटता गया। यदि कृषि व मैन्युफैक्चरिंग के बीच बेहतर समन्वय हो, तो विकास की गति और तेज हो सकती है। वर्तमान में मैन्युफैक्चरिंग का योगदान अब भी लगभग 15/16 प्रतिशत के आसपास है।

संपादकीय

लोगों के मन पर संदेह

सवाल यह नहीं है कि निर्वाचन प्रक्रिया स्वतंत्र और निष्पक्ष है या नहीं। प्रश्न है कि इसको लेकर लोगों के मन में संशय क्यों है? शक भरे माहौल के कारण ही राजनीतिक गुटों के लिए लोगों को भड़काना आसान हो गया है। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले माहौल अशांत और अराजक किस्म का है। लोगों के मन पर संदेह और आशंकाओं का साया है। इसकी ही मिसाल मालदा जिले में कलियाचक में देखने को मिली। वहां विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद तैयार मतदाता सूची पर आई आपत्तियों को निपटाने के काम में लगे न्यायिक अधिकारियों को प्रखंड कार्यालय में दस घंटों तक भीड़ ने बंधक बनाकर रखा। अहम मुद्दा यह नहीं है कि इसके पीछे किसका हाथ था। काबिल–ए–गौर यह है कि वहां महिलाओँ और बच्चों समेत ऐसी भीड़ जुटी, जिसके आक्रोश से न्यायिक अधिकारियों को बचाने में घंटों लग गए। सुप्रीम कोर्ट ने उचित ही इस पर नाराजगी जताई। मगर, इसके लिए सिर्फ स्थानीय अधिकारियों को जवाबदेह मानना सही नहीं होगा। असल उत्तरदायित्व निर्वाचन आयोग का है। आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद से आयोग ने राज्य में अफसरों के रिकॉर्ड– 480 से अधिक– तबादले किए हैँ। इसलिए ऊपर से नीचे तक जो भी अधिकारी तैनात हैं, कर्त्तव्य निर्वहन में उनकी खामी का सर्वोच्च दायित्व आयोग पर जाता है। बहरहाल, उससे भी बड़ा मसला एसआईआर को जिस तरह किया गया, वो है। इस पर दस लाख आपत्तियों आईं, जिन्हें सुप्रीम कोर्ट के दबाव में जल्दबाजी में निपटाया गया। नतीजतन, ये धारणा बनी कि आयोग ने अपना काम ठीक से नहीं किया है। इसी कारण विधानसभा चुनाव को लेकर तमाम तरह की श्साजिशाना कहानियोंच को बल मिला है। सवाल यह नहीं है कि निर्वाचन प्रक्रिया स्वतंत्र और निष्पक्ष है या नहीं। प्रश्न है कि इसको लेकर लोगों के मन में संशय क्यों है? शक के ऐसे ही माहौल के कारण राजनीतिक गुटों के लिए लोगों को भड़काना आसान हो गया है। राज्य में माहौल कैसा है, इसकी कुछ झलक सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणियों से भी मिली है। लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि न्यायालय का हस्तक्षेप भी उन कारणों को दूर नहीं कर पाया, जिनकी वजह से चुनाव प्रक्रिया को लेकर अविश्वास का माहौल बना है। अतरू निर्वाचन आयोग की जवाबदेही तय किए जाने की जरूरत है, जिसके तौर–तरीकों से भारत के चुनावों की साख पर सवाल गहराते जा रहे हैं।

रेल पटरियों का आधुनिकीकरण

अश्विनी वैष्णव

भारत में हर दिन 25,000 से अधिक ट्रेनें चलती हैं। वे प्रतिदिन 2 करोड़ से अधिक यात्रियों को ले जाती हैं और कोयला, लौह अयस्क, अनाज, स्टील, सीमेंट तथा अन्य वस्तुओं की बड़ी मात्रा को 1,37,000 किलोमीटर से अधिक लंबे रेल नेटवर्क पर एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाती हैं। पूरी व्यवस्था जिस आधार पर काम करती है, वह रेल पटरी है। जब पटरी अच्छी स्थिति में होती है, तब ट्रेनें सुरक्षित रूप से अधिक गति से चलती हैं। लेकिन जब पटरी खराब होती है, तो इसके परिणाम गति पर रोक, देरी और सुरक्षा संबंधी जोखिम के रूप में सामने आते हैं। रेल की पटरी में दरार, कोई ढीला पुर्जा या गिट्टी की परत में रुकावट, इनमें से कोई भी चीज ट्रेन की चाल को प्रभावित कर सकती है। रेल पटरियों के महत्व को ध्यान में रखते हुए, भारतीय रेलवे ने एक दशक से अधिक समय पहले व्यापक आधुनिकीकरण कार्यक्रम शुरू किया। इस कार्य में आधुनिक मशीनों से पटरियों का नवीनीकरण, उन्नत तरीकों से जांच और निरीक्षण, मशीनीकृत रखरखाव, सुरक्षा बाड़बंदी आदि शामिल थे। इन सभी प्रयासों ने मिलकर रेल नेटवर्क की स्थिति को स्पष्ट रूप से बदल दिया है। 2014 से अब तक लगभग 55,000 किलोमीटर पटरियों का नवीनीकरण किया गया है, जिससे सुरक्षा और यात्रा की गुणवत्ता में सुधार हुआ है तथा बार–बार मरम्मत की आवश्यकता कम हुई है। लगभग 44,000 ट्रैक किलोमीटर में 260 मीटर लंबे रेल पैनल बिछाए गए हैं। लंबे पैनलों का अर्थ है कम जोड़, जिससे ट्रेनों की आवाजाही अधिक सुगम और सुरक्षित होती है। अब 80,000 ट्रैक किलोमीटर से अधिक हिस्से में मजबूत 60 किलोग्राम वाली रेल पटरियों का उपयोग हो रहा है, जो अधिक भार और तेज गति का समर्थन करती हैं। मजबूत रेल पटरी बिछाना जरूरी है, लेकिन समय रहते खराबी पकड़ना भी उतना ही जरूरी है। छिपी हुई दरारों को खोजने के लिए अल्ट्रासोनिक जांच की गई है। इसके तहत करीब 36.2 लाख ट्रैक किलोमीटर और 2.25 करोड़ वेल्ड की जांच हुई। इससे रेल और वेल्ड टूटने की घटनाएं करीब 90 प्रतिशत तक कम हो गई हैं। यानी अब खराबी होने के बाद उसे ठीक करने के बजाय पहले ही पकड़कर रोक लिया जाता है। अब रेलवे में दूसरी आधुनिक जांच तकनीकें भी इस्तेमाल हो रही हैं। नई वेल्ड की जांच के लिए चुंबकीय जांच, फ्लैश–बट वेल्ड की जांच के लिए नई मशीनें और जीपीएस से जुड़ी ऐसी व्यवस्था लगाई गई है, जो ट्रेन की यात्रा की गुणवत्ता मापती है और पटरी के खराब हिस्से की सही जगह बता देती है। भारतीय रेलवे की ट्रैक मशीनों की संख्या 2014 में 748 थी, जो 2026 में बढ़कर 1,785 हो गई है। ये मशीनें पटरी को ठीक करने, गिट्टी साफ करने और रेल को घिसकर बराबर करने का काम हाथ से होने वाले काम की तुलना में ज्यादा तेज, बेहतर और एक समान तरीके से करती हैं। पटरी के नीचे बिछी गिट्टी की परत को साफ करने में मशीनों ने बड़ा फर्क पैदा किया है। यही गिट्टी पानी निकालने, कंपन कम करने और पटरी को मजबूत बनाए रखने का काम करती है। लेकिन समय के साथ ट्रेनों के लगातार वजन और कंपन से ये पत्थर टूटकर पाउडर जैसे हो जाते हैं। इससे गिट्टी की परत जाम हो जाती है और वह ठीक से काम नहीं कर पाती। इसलिए गिट्टी की सफाई की जाती है, ताकि पटरी फिर से सही हालत में आ जाए। यह काम एक लाख किलोमीटर से ज्यादा रेल पटरियों पर किया जा चुका है और ज्यादातर काम मशीनों से हुआ है। इसी तरह पटरी की ऊपरी सतह की खराबी दूर करने के लिए भी एक लाख किलोमीटर से ज्यादा रेल की ग्राइंडिंग की गई है। इससे ट्रेन का सफर ज्यादा आरामदायक और सुरक्षित हुआ है। हर साल ट्रेनों की संख्या बढ़ रही है, इसलिए ट्रेनों के बीच रखरखाव के लिए मिलने वाला समय कम होता जा रहा है। ऐसे में मशीनों की मदद से कम समय में ज्यादा काम हो जाता है और ट्रेन सेवाएं भी प्रभावित नहीं होतीं। लेकिन सुरक्षा सिर्फ पटरी पर नहीं, बल्कि वहां भी जरूरी है जहां ट्रेनें लाइन बदलती हैं। इसलिए भारतीय रेलवे ने पटरी बदलने के साथ कई दूसरे सुधार भी किए हैं। करीब 17,500 किलोमीटर तक सुरक्षा के लिए बाड़ लगाई गई है, खासकर उन जगहों पर जहां ट्रेनें 110 किलोमीटर प्रति घंटे से ज्यादा रफ्तार से चलती हैं।

भारत नरक नहीं, स्वर्ग का अहसास है, मानवता का वैभव, सभ्यता का प्रकाश है!

कमलेश

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के लिए अब तक कई बार ऐसे तीखे या अपमानजनक बयान दिए हैं जिनके पश्चात उन्होंने या तो रुख बदल दिया या सॉफ्ट स्टेटमेंट जारी करके अपनी बात पर "यू टर्न" लेकर साफ साफ मुकर जैसा अंदाज दिखाया है। हाल ही में फिर उन्होंने "नरक जैसा देश" वाला बयान दिया और फिर यू टर्न ले लिया। उनका रवैया दुनिया का थानेदार समझे जाने वाले सर्वाधिक विकसित और धनी देश अमेरिका के शालीन, सभ्य और सुसंस्कृत होने पर सवालिया निशान लगाने को काफी है। खासकर भारत के खिलाफ जिसका अंतर्राष्ट्रीय आचरण सदैव मर्यादित रहता आया है। भारत पैसे वालों की कद्र नहीं करता, क्योंकि यह तो देशी–विदेशी अपराधियों और वेश्याओं के पास भी खूब होता है, लेकिन सामाजिक प्रतिष्ठा बिल्कुल नहीं होती। ट्रंफ के नेतृत्व में अमेरिका इसी फूहड़ता से ग्रसित है, अभिशप्त है और अंतर्राष्ट्रीय गुंडई में इतना आगे निकल चुका है कि उसके मित्र देश भी उसके साथ खड़े होने में परहेज कर रहे हैं और उसे यूज एंड थ्रो कर रहे हैं। ईरान–अमेरिका युद्ध ने अमेरिका की पूरी मिट्टी पलीद कर दी है और उसके डीप स्टेट की जो भद्द पिटी है, वैसा कोई उदाहरण अन्यत्र नहीं मिलता। शायद इसी खीझ का नाता ट्रंफ के नारकीय विवाद से है। आइए, जानते हैं कि सबसे हाल का विवाद 24 घंटे में ही कैसे दोनों ध्रुवों पर घूम गया, जब भारतीय विदेश मंत्रालय ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म "ट्रुथ सोशल" पर एक रेडियो होस्ट माइकल सैवेज के पॉडकास्ट का हिस्सा शेयर किया, जिसमें भारत और चीन जैसे देशों को "नरक" जैसी जगह बताया गया। इस पोस्ट में भारतीयों के बारे में नस्लवादी टिप्पणी भी थी कि भारतदृचीन से लोग अमेरिका आते हैं बस यहीं बच्चे पैदा करने के लिए ताकि उन्हें तुरंत अमेरिकी नागरिकता मिल जाए, जो भारतीय डिप्लोमैसी और जनता के लिए बेहद अपमानजनक माना गया। फिर अगले ही नए बयान में ट्रंप ने रुख पूरी तरह बदल दिया, क्योंकि समझ में आ गया कि ये मोदी का भारत है, चुपचाप उल्टा लटका देगा। कोई काम नहीं आएगा, जब कूटनीतिक शतरंज की एक चाल चल देगा तो। लिहाजा, उन्होंने जनता के बीच और अमेरिकी दूतावास के प्रवक्ता के जरिए कहा कि भारत "एक महान देश है, "मजबूत और महान राष्ट्र" है और भारत के शीर्ष नेता (प्रधानमंत्री मोदी) के साथ उनकी "निजी दोस्ती" है। काबिलेगौर है कि इस तरह 24 घंटे के अंदर वही शख्स जो भारत को या नरक जैसी जगह कह चुके थे, उसी देश की तारीफ में बोलने लगे, जिसे राजनीतिक यू टर्न और दबाव में बदला गया माना जा रहा है। अब इनकी टैरिफ और "टैरिफ किंग" वाली पुरानी टिप्पणी को स्मरण करा देते हैं। इसके अलावा ट्रंप ने व्यापार के मसले पर भी दोहरा अपना बयान दिया है। अपने कई इंटरव्यू और भाषणों में उन्होंने भारत को "टैरिफ किंग"कहा है, और यह कहा है कि भारत दुनिया में सबसे ज्यादा शुल्क लगाने वाले देशों में से एक है, जिससे अमेरिकी उत्पादों को नुकसान होता है। इसी क्रम में उन्होंने भारत पर जवाबी टैरिफ लगाने की धमकी भी दी, लेकिन एक ही हवन में ही यह भी कहा कि भारत के साथ "बहुत अच्छे संबंध" हैं, यानी एक ही बयान में औपचारिक तारीफ और व्यावहारिक धमकी दोनों। निष्कर्षन के तौर पर पैटर्न यह दिखता है कि ट्रंप ने भारत के लिए एक बार नफरत भरी, नस्लवादी, "नरक जैसा देश" वाली भाषा इस्तेमाल की, और फिर तुरंत मिटाने के लिए भारत को "महान देश" और प्रधानमंत्री मोदी को "अपना दोस्त" कहकर मुकर जैसा कर दिया। वहीं, व्यापार के मोर्चे पर भारत को "टैरिफ किंग" और हानिकारक बताने के साथ साथ राजनयिक रूप से "अच्छे रिश्ते" बताकर दोहरा रुख अपनाया है। इसी प्रकार ट्रंप भारतीय अर्थव्यवस्था को डेड इकॉनमी भी करार दे चुके हैं टैरिफ वार की खींझ में। उनके इस रवैये से भारत का अविश्वास अमेरिका और उनके प्रति बढ़ा है। स्पष्ट है कि अमेरिका के सफल बिजनेसमैन और शातिर राजनेता से राष्ट्रपति बने डॉनल्ड ट्रंफ अपने सिरफिरे विचारों के लिए जाने जाते हैं, लेकिन जब से वो डीप स्टेट के हाथों का खिलौना बने, अपने अनाप–शनाप और अदूरदर्शिता भरे फैसलों से अंतरराष्ट्रीय जगत में अमेरिका की थू–थू करवा रखी है। पहले ट्रेड वार और अब सैन्य वार के बाद उसकी जो अंतरराष्ट्रीय फजीहत हुई है, उसके जैसे सो कॉल्ड देश ताकतवर की कलई खुल गई। यूक्रेन से शुरू हुई कूटनीतिक दोगलागिरी ईरान पहुंचते–पहुंचते न केवल चारो खाने चित्त हो गई, बल्कि आज अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंफ की बयानबाजी अब समझदार लोगों के लिए कोई मायने नहीं रखी। कभी वह भारत को ष्डेड इकोनॉमीष बताते हैं, तो कभी नरक जैसा देश! शायद इसलिए कि भारतीय नेतृत्व उनके इशारों पर नहीं थिरक रहा है, जिससे रूस–चीन भी उसे भाव देना बंद कर चुके हैं। दुनिया का थानेदार अमेरिका को बेनेजुएला के राष्ट्रपति को गिरफ्तार करने के बाद जब कड़ी अंतर्राष्ट्रीय प्रतिक्रिया नहीं मिली तो उसने यह समझ लिया कि रूस–चीन भी उससे डरे हुए हैं। इसी उत्साह में अमेरिका ने इजरायल के साथ मिलकर ईरान पर धावा बोल दिया और महज दो माह के भीतर ही परेशान हो उठा। इससे ईरान–रूस–चीन की संयुक्त ताकत का उसको एहसास हुआ। वहीं इसी मुद्दे पर नाटो में फूट भी पड़ गई और यूरोप तटस्थ बन गया। इसी बौखलाहट में ट्रंफ भारत और चीन को नरक जैसा बताने लगे। बताते चलें कि भारत और चीन जैसी प्राचीन सभ्यताओं को नरक बताने का संदर्भ हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक विवादित सोशल मीडिया पोस्ट से जुड़ा है, जिसमें उन्होंने जन्मसिद्ध नागरिकता के मुद्दे पर भारत–चीन को षिमससीवसमष कहा। यह बयान ट्रंप की इमीग्रेशन पॉलिसी से प्रेरित है, जहां वे आरोप लगाते हैं कि इन देशों से प्रवासी अमेरिका की सुविधाओं का दुरुपयोग करते हैं। जबकि ऐतिहासिक वास्तविकता कुछ और है, जो कई मायने में गौरवशाली भी है। वास्तव में, भारत और चीन दुनिया की सबसे प्राचीन सभ्यताएं हैं, जिन्होंने ज्ञान, संस्कृति और व्यापार में दुनिया को प्रभावित कियाकृचीन भारत को कभी स्वर्ग से बढ़कर मानता था। जबकि अमेरिका की कोई प्राचीन सभ्यता नहीं है।

हवा के जिन्न से बचने के लिए महिलाएं मूंछों जैसा पहनती नकाब

अभिनय

स्टेट ऑफ होर्मुज वो समुद्री इलाका जिसकी वजह से दुनिया आज तीसरे विश्व युद्ध के मुहाने पर खड़ी है। सबसे पहले बात करते हैं स्टेट ऑफ हॉर्मोस की चौहद्दी की। यह दुनिया के सबसे अहम समुद्री रास्तों में से एक है। जहां से वैश्विक तेल सप्लाई का बड़ा हिस्सा गुजरता है। यह स्टेट ईरान और ओमान के बीच मौजूद है। आज के समय में इसकी अहमियत इतनी ज्यादा है कि इसे दुनिया की ऑयल लाइफ लाइन कहा जाता है। अब बात करते हैं प्राचीन काल की। प्राचीन काल में होर्मुज फारस की खाड़ी तक पहुंच को कंट्रोल करने वाला एक अहम समुद्री व्यापार केंद्र था। यह भारत, चीन और मिडिल ईस्ट के बीच माल के आदानप्रदान के बीच एक संपर्क सूत्र का काम करता था। मूल रूप से यह 10वीं शताब्दी में मीनाब के पास मौजूद एक मुख्य भूमि बंदरगाह था। लेकिन आक्रमणकारियों से बचने के लिए लगभग 1300 में इसे रणनीतिक जारून द्वीप यानी होर्मुज द्वीप में बदल दिया गया और यह एक मशहूर व्यापारिक केंद्र बन गया। माना जाता है कि होर्मुज नाम की उत्पत्ति फारसी देवता अहूरा माजदा और स्थानीय बोली के व्याख्यांश खुरमोग यानी खजूर वाली जमीन से लिया गया है जो इसकी फारसी जड़ों को दर्शाता है। अहूरा मजदा पारसी धर्म के सर्वोच्च देवता, सृष्टिकर्ता और ज्ञान के प्रतीक हैं। जिन्हें बुद्धिमान देवता कहा जाता है। ऐतिहासिक रूप से अहूरा मजदा को वैदिक देवता वरुण से जोड़ा जाता है। जो ब्रह्मांडीय नियम का पालन करता है। अवस्था भाषा में अहूरा का अर्थ होता है स्वामी। जो संस्कृत के शब्द असुर के समान है। अब आते हैं मध्यकाल में। फारस की खाड़ी किंगडम ऑफ होर्मुज नाम का एक शक्तिशाली व्यापारिक राज्य हुआ करता था। यह राज्य 13वीं से 17वीं सदी के बीच बेहद समृद्ध था और एशिया, अफ्रीका और यूरोप के बीच व्यापार का एक बड़ा केंद्र बन चुका था। यहीं से शुरू होता है भारत और होर्मुज का कनेक्शन। उस समय भारत के पश्चिमी तट खासकर गुजरात, कोंकण और मालाबार क्षेत्र दुनिया के बड़े व्यापारिक केंद्र थे। भारतीय व्यापारी मसाले, रेशम, कपड़े और कीमती पत्थर लेकर हॉर्मू जाते थे। बदले में वहां से घोड़े, मोती और दूसरे कीमती सामान भारत लाया करते थे। होर्मुज में रहने वाले लोगों की जिंदगी और उनके जीने का अनूठा अंदाज कौतूहल पैदा करता है। खनिजों से भरपूर यहां की रेत लाल, गुलाबी, नारंगी जैसे चमकते हैं। जमीन जितनी विविधरंगी और मनमोहक है, उतने ही आकर्षक लोग, संस्कृति और पारंपरिक विश्वास–आस्था है। ईरानी फोटोग्राफर होदा अफशार ने यहां की संस्कृति और आस्था– मान्यताओं को बखूबी बताया है। कुछ को अंधविश्वास मान सकते हैं, लेकिन यही उनका जीवन है। यह हवा की बुरी आत्माओं से बचने का जतन है। दरअसल, मान्यता है कि कुछ हवाएं शैतानी या जिन्न वाली होती हैं, जबकि कुछ भली। श्जारश नाम की हवा के बारे में कहा जाता है कि वह शरीर में घुस सकती है। बेचैनी या बीमारी दे सकती है। ये नकाब श्जारश को धोखा देने के लिए पहना जाता है। मकसद यह कि महिला, पुरुष जैसी दिखे। मान्यता के मुताबिक महिलाएं श्जारश के प्रति ज्यादा असुरक्षित होती हैं। केश्म और होर्मुज के कुछ लोग पेड़ों पर ही रहते हैं, क्योंकि ऐसी मान्यता है कि कुछ तरह के पेड़ों के नीचे सोने से शैतानी आत्मा पकड़ लेगी। यानी हवा की शक्ति व्यक्ति पर हावी हो सकती है। अफशार ने अपनी किताब श्स्पीक द विंडश में केश्म और होमुंज की अनूठी मान्यताओं और आस्थाओं के बारे में बताया है। अफशार बताती हैं कि कई निवासी अफ्रीकी मूल के हैं। पर यह पहचान अक्सर छिपाई जाती है या नकारी जाती है। वजह–लंबे समय की सामाजिक श्रेणियां हैं। जर्मनी के बर्लिन में रह रहीं अफशार बताती हैं कि अब टुकड़ों में वहां की खबरें मिलती हैं। भारी सैन्य मौजूदगी। बमबारी। वह बताती हैं कि एक रिश्तेदार ने बमों के असर को ऐसे बयान किया, श्यह भूकंप की तरह शरीर के आर–पार गुजरने जैसा लगता है। बमों–बारूदों से बचने की दुआएं करते हैं। भारत और होर्मुज के बीच गहरा व्यापारिक रिश्ता था। लेकिन यह रिश्ता केवल व्यापार तक ही सीमित था। शासन या राजनीतिक नियंत्रण तक नहीं। फिर आया 16वीं सदी का कालखंड जब पुर्तगाल ने होर्मुज पर कब्जा कर लिया। तब भारत में उसका मुख्य केंद्र गोवा हुआ करता था। क्योंकि गोवा भी पुर्तगाल के नियंत्रण में था और हॉर्मूस भी। उस समय हॉर्मूस पर गोवा में मौजूद पोर्तुगीज इंडिया रूल कर रहा था। इतिहास के इसी चौप्टर की वजह से हॉर्मूस को भारत का हिस्सा होने का दावा किया गया। लेकिन हकीकत तो यह है कि दोनों ही क्षेत्र एक विदेशी शक्ति पुर्तगाल के अधीन थे। डायरेक्ट भारत के नहीं। बाद में ईरानी सल्तनत सफविद अंपायर ने पुर्तगालियों को हराकर होर्मुज पर कंट्रोल कर लिया। शाह अब्बास प्रथम की अगुवाई में और अंग्रेज ईस्ट इंडिया कंपनी की सहायता से सफाविद साम्राज्य ने पुर्तगालियों से हॉर्मोस पर अपनी फतेह हासिल कर ली। अप्रैल 1622 को फारस की खाड़ी में एक सदी से ज्यादा समय तक चले पुर्तगाली नियंत्रण को समाप्त कर दिया गया और अंतिम समर्पण भी पूरी कर दी गई। इसके बाद यह क्षेत्र फारस यानी आज के ईरान के प्रभाव में आ गया। तो साथियों साफ है कि इतिहास में होर्मुज पर कई ताकतों का प्रभाव रहा लेकिन भारत का सीधा शासन कभी नहीं रहा। हां यह जरूर है कि इस धरती से होर्मुज पर रूल जरूर किया गया। पिछले 100 सालों से ज्यादा समय से यह एक स्वतंत्र व्यापारिक जलमार्ग के तौर पर मौजूद है। इस समय जब अमेरिका और इजराइल की ईरान के साथ सीधी जंग चल रही है तो ऐसे में स्टेट ऑफ हॉर्मोस की अहमियत और भी ज्यादा बढ़ जाती है। ईरान इस पर अपना एकाधिकार करना चाहता है। वहीं अमेरिका की ओर से भी नाकेबंदी की बात कही जा रही है। यह सिर्फ एक जलमार्ग नहीं बल्कि वैश्विक राजनीति, अर्थव्यवस्था और ऊर्जा सुरक्षा का केंद्र बन चुका है। भारत भी अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए इस रास्ते पर काफी ज्यादा निर्भर है।

आने को है आर्थिक दिक्कतों का दौर

अरविन्द

तय मानिए कि यह बदलाव सिर्फ पेट्रोलियम पदार्थों तक सीमित नहीं रहेगा। कई अन्य चीजों और सेवाओं के दाम भी सरकार बढ़ा सकती है। निजी क्षेत्र तो उसका इंतजार भी नहीं करता, वह अभी ही अपने उत्पादों और सेवाओं को महंगा करने लगा है। और जब सरकार के फैसलों से उसके ऊपर बोझ बढ़ेगा तो वह एक के बदले तीन पैसे की वसूली अपने ग्राहकों और उपभोक्ताओं से शुरू कर देगा। सिर्फ सेवा देने वाले मजदूरों की मजदूरी बढ़ाने का दौर शुरू हो गया है। जी हां, 29 अप्रैल तक भारत सरकार और उसके कर्ता–धर्ता बंगाल चुनाव में व्यस्त हैं। होने को तो पांच राज्यों के चुनाव अभी अपनी प्रक्रिया के बीच ही हैं और 29 के पहले तमिलनाडु का मतदान भी पूरा हो जाएगा लेकिन बंगाल चुनाव का दूसरा और अंतिम फेज 29 को पूरा होगा और उसके बाद ही प्रधानमंत्री समेत सरकार के सभी प्रमुख लोगों का ध्यान उधर से हटेगा। सबके रिजल्ट 4 मई को आने हैं और अगर नरेंद्र मोदी समेत सारे प्रमुख लोग चुनाव में इतने जुनून से जुटे हैं तो रिजल्ट का महत्व सहज समझा जा सकता है। लेकिन पांच राज्यों की विधान सभाओं के परिणाम और देश की राजनीति पर उसका प्रभाव सामने आए इससे पहले ही 29 रात से परिणाम आने की भविष्यवाणी करना मुश्किल नहीं है। सबसे पहला नंबर तो पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों का होना चाहिए। और खैरियत यही है कि ईरान अमेरिकाध्इजरायल युद्ध की आंच मद्धिम पड़ी है और संभव लगता है कि 29 तक कोई समझौता ही हो जाए। माहौल अभी भी बदला है और पेट्रोलियम के दाम समेत शेयर बाजार और सर्राफा बाजार की तेजी कुछ मद्धिम पड़ी भी है। लेकिन इससे हम आप नई मूल्य वृद्धि से बच नहीं सकते।तय मानिए कि यह बदलाव सिर्फ पेट्रोलियम पदार्थों तक सीमित नहीं रहेगा। कई अन्य चीजों और सेवाओं के दाम भी सरकार बढ़ा सकती है। निजी क्षेत्र तो उसका इंतजार भी नहीं करता, वह अभी ही अपने उत्पादों और सेवाओं को महंगा करने लगा है। और जब सरकार के फैसलों से उसके ऊपर बोझ बढ़ेगा तो वह एक के बदले तीन पैसे की वसूली अपने ग्राहकों और उपभोक्ताओं से शुरू कर देगा। सिर्फ सेवा देने वाले मजदूरों की मजदूरी बढ़ाने का दौर शुरू हो गया है और दस–बारह साल से रुका पड़ा यह काम आंदोलनों के सहारे चला है और बढ़ता गया है पर मजदूरों में बेचौनी कीमतों में सामान्य वृद्धि और गैस की किल्लत और कालाबाजारी से ज्यादा बढ़ी। काफी सारे प्रवासी मजदूर तो इस चक्कर में अपने देस लौट गए। और उनके ही नहीं आम आदमी के जीवन में ईंधन के महत्व को समझकर सरकारों के स्तर पर सक्रिय हुई हैं। पेट्रोल और गैस के दाम न बढ़ाना भी उसी तरह की सक्रियता है और इसके पीछे आम लोगों को राहत देना कितना बड़ा कारण है और पांच राज्यों की विधान सभाओं का चुनाव कितना बड़ा कारण यह समझना मुश्किल नहीं है। मोदीजी की राजनीति के लिहाज से चुनाव का मतलब सबसे ऊपर है और इसी आधार पर चुनाव बीतते ही कीमतों में बढ़ोतरी की बात कही जा रही है।यह संकेत भले मोदी जी की राजनीति को जानने वाले समझ जाएं, पर अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों से जो सूचनाएं आने लगी हैं वे बताती हैं कि चुनावी शोर की चीजों को नजरों से ओझल कर दे लेकिन आर्थिक सच्चाई पर परदा नहीं डाला जा सकता। सबसे पहले तो यही गणना बिगड़ गई है कि भारत दुनिया की पांचवी बड़ी अर्थव्यवस्था की जगह छठे नंबर पर खिसक गया है। अभी तक प्रधानमंत्री तीसरी अर्थव्यवस्था बनने बनाने की बातें खूब कहा करते थे, अब उनकी तरफ से कोई बयान इस बारे में नहीं आया है। विकास दर दो फीसदी कम हो जाने का अनुमान लगभग सारे प्रमुख अर्थशास्त्री कर रहे हैं। फिर यह सूचना भी आने लगी है कि बुनियादी उद्योगों के उत्पादन में गिरावट दर्ज की गई है और यह खाड़ी युद्ध का असर है। यह सूचना भी आई है कि खाड़ी के देशों में भारतीय उपभोक्ता वस्तुओं की मांग में आई गिरावट से उपभोक्ता सामान बनाने वाली कंपनियां परेशान हैं। खाड़ी देशों में एक करोड़ के आसपास हिन्दुस्तानी कामगार रहते हैं और जाहिर तौर पर अच्छी कमाई वाले ये लोग अपनी पसंद की भारतीय चीजें भी बड़े पैमाने पर खरीदते हैं। देसी मांग भी गिरी है। और कुछ चीजों की मांग तो ऐसे गिरी है कि सारा बाजार भौचक्का है। इस अक्षय तृतीया को सोने की खरीद का रिकार्ड ऐसा ही है जबकि सोना और चांदी दोनों के भाव इधर काफी कम हुए थे। मामला फिर उपभोक्ता वस्तुओं की मांग घटने का नहीं है। उसकी कमी महंगाई के चलते भी होगी और संयोग से खाड़ी युद्ध छिड़ने के पहले हमने उपभोक्ता और थोक मूल्य सूचकांक में जो बदलाव किए वे अब नित नए रिकार्ड की सूचना दे रहे हैं। इससे ज्यादा चिंता कोर सेक्टर में उत्पादन के गिरावट की है और खास तौर से रासायनिक

खादों के उत्पादन और खपत में गिरावट का। यह गिरावट नए रिकार्ड बना रही है पर उससे भी ज्यादा भविष्य के लिए चिंता पैदा कर रही है। कोरोना वाली मंदी में भी कृषि ही हमारे लिए सबसे बड़ी सहायक बनी थी। लगता है इस बार वह भी साथ छोड़ने जा रही है और यह लेखक जिस नोएडा–गाजियाबाद के इलाके में बैठकर यह लेख लिख रहा है वहां की और आसपास के पश्चिमी उत्तर प्रदेश की सारी औद्योगिक गतिविधियां गैस की तंगी से परेशान है। काफी बंद पड़ी हैं। ऐसा अन्य औद्योगिक इलाकों की रिपोर्ट भी है और इससे भी बढ़कर हुआ है कि इनके निर्यात का आर्डर आना बंद हो गया है। जाहिर है यह संकट को लंबा खिचेगा। यह सब गिनवाने का मतलब कोई आतंक पैदा करना नहीं है और न ही यह बताना ही है कि हमारी अर्थव्यवस्था चौपट हो गई है। निश्चित रूप से युद्ध शुरू होने के पहले हमारी अर्थव्यवस्था के ज्यादातर संकेतक हरा रंग ही दिखा रहे थे। और हम दुनिया में सबसे तेज विकास दर का दावा भी कर रहे थे। लेकिन उस युद्ध ने जिसका हमसे न कोई सीधा वास्ता है और न ही हमने खुद को उलझने दिया, उसका प्रभाव इतना ज्यादा आ जाए, यह हमारे प्रबंधन की गड़बड़ी है। रुपए का टूटना हो या सोने–चांदी में तेजी का, विदेश व्यापार में परेशानी हो या विकास दर की, आप सिर्फ और सिर्फ सस्ते श्रम के मत्थे अपना तेज विकास चाहते हैं और दुनिया को पीछे छोड़ना चाहते हैं तो यह भ्रम है। इसे जल्दी छोड़िए।

पुस्तकालय ही विद्यार्थियों का सच्चा मार्गदर्शक–जस्टिस आर. के. अग्रवाल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के दत्तोपंत ठेंगड़ी विधि संस्थान में शनिवार को 'एस. पी. गुप्ता स्मृति विधि पुस्तकालय' का उद्घाटन गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारत के सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस आर. के. अग्रवाल ने विधिवत फीता काटकर पुस्तकालय का लोकार्पण किया। इस अवसर पर आर्यभट्ट सभागार में आयोजित कार्यक्रम में ध्अपने संबोधन में मुख्य अतिथि ने कहा कि विधि शिक्षा के सुदृढ़ीकरण में आधुनिक पुस्तकालयों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।विद्यार्थियों को पुस्तकों के माध्यम से निरंतर अध्ययन करते हुए अपने ज्ञान का पुनरावलोकन और सुधार (रीड एंड रिपेयर) करते रहना चाहिए।उन्होंने कहां की यह केवल पुस्तकालय नहीं है बल्कि विद्यार्थियों के लिए एक मार्गदर्शक की भूमिका निभाएगी। इसके साथ ही उन्होंने स्वर्गीय एसपी गुप्ता के स्मृतियों को साझा करते हुए कहा कि वह एक समर्पित अधिवक्ता रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि यह पुस्तकालय नहीं बल्कि संस्था के तरफ से विश्वविद्यालय को बहुत बड़ा आशीर्वाद दिया गया है इस ट्रस्ट द्वारा दी गई सामग्रियों को विश्वविद्यालय निरंतर सजो कर रखेगा। उन्होंने कहा की विधि के विद्यार्थी इन पुस्तकों से अपने ज्ञान का विस्तार करेंगे ऐसी उन्हें पूरी उम्मीदहै। उन्होंने न्यास के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इसे एक सराहनीय पहल बताया। इस अवसर पर न्यासी डॉ. अरुणिमा परोलिया ने कहा कि उन्होंने अपने पिता स्व एस पी गुप्ता की विरासत को विश्वविद्यालय को समर्पित किया है जिससे आने वाली पीढ़ी अपने ज्ञान का विस्तार कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि पिताजी कहा करते थे कि कानून केवल पेशा नहीं बल्कि यह सम्मान की चीज है।वरिष्ठ अधिवक्ता राहुल अग्रवाल मंचासीन रहे। मुख्य अतिथि को विश्वविद्यालय के तरफ से कुलपति ने अभिनंदन पत्र सौंपा। कार्यक्रम के अंत में आर्यभट्ट सभागार में स्वागत भाषण संस्थान के निदेशक प्रो विनोद कुमार एवं संचालन डॉ अनुराग मिश्र ने किया। कार्यक्रम में वित्त अधिकारी आत्मधर प्रकाश द्विवेदी, कुलसचिव केशलाल, परीक्षा नियंत्रक डॉ विनोद कुमार सिंह, प्रो अविनाश, श्याम बहादुर सिंह,कृष्णा पारोलिया, आदित्य पारोलिया, प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो प्रदीप कुमार, प्रो रजनीश भास्कर, प्रो प्रमोद यादव, प्रो मनोज मिश्र, प्रोफेसर देवराज सिंह, प्रो राज कुमार सोनी, डॉ वनिता सिंह, डॉ प्रियंका सिंह, डॉ राहुल राय, डॉ राजित सोनकर, डॉ दिनेश कुमार, डॉ मंगला प्रसाद यादव, डॉ इंद्रजीत सिंह, डॉ अंकित कुमार, डॉ प्रमोद कुमार , डॉ शुभम सिंह, डॉ आश्रया दुबे, डॉ विपिन कुमार सिंह, श्री योगेश, रविकेश कुमार मौर्य, श्री प्रकाश यादव, डॉ इंद्रजीत सिंह समेत विश्वविद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के दत्तोपंत ठेंगड़ी लॉ इंस्टीट्यूट, एस.पी. गुप्ता मेमोरियल लॉ लाइब्रेरी को डॉ. अरुणिमा द्वारा विभिन्न शैक्षणिक एवं तकनीकी सामग्री का महत्वपूर्ण दान प्रदान किया गया है। इस दान से पुस्तकालय की सुविधाओं और संसाधनों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिससे छात्रों और शोधार्थियों को बेहतर अध्ययन वातावरण मिल सकेगा। दान में लगभग 6000 विधि पुस्तकों के साथ स्टील, लकड़ी और कांच की अलमारियां शामिल हैं। इसके अलावा बाउंड लीगल नोट्स, एक स्मृति कांच डिस्प्ले कैबिनेट भी दिया गया है, जिसमें स्वर्गीय एस.पी. गुप्ता के व्यक्तिगत उपयोग की वस्तुएंकृजैसे घड़ी, चश्मा, पेन, पोर्ट्रेट, कोर्ट ड्रेस और एमिटी विश्वविद्यालय से प्राप्त पीएचडी डिग्रीकृसुरक्षित रखी गई हैं। तकनीकी सुविधाओं के अंतर्गत पुस्तकालय को 10 कंप्यूटर सेट प्रदान किए गए हैं। साथ ही 10 कंप्यूटर टेबल और 10 कुर्सियां एवं अन्य उपकरण भी दिए गए हैं। संस्थान के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों में इस उदार योगदान के लिए डॉ. अरुणिमा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के सहयोग से न केवल पुस्तकालय की गुणवत्ता में सुधार होता है, बल्कि विद्यार्थियों को आधुनिक संसाधनों से जुड़ने का अवसर भी मिलता है।

'नेपाल के नए सीमा नियमों से भारत-नेपाल सीमा पर व्यापार ठप, हजारों छोटे व्यापारियों की रोजी-रोटी पर संकट'

'लखनऊ।' नेपाल सरकार द्वारा हाल ही में लागू किए गए नए सीमा नियमों ने भारत–नेपाल सीमा से सटे उत्तर प्रदेश, बिहार, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल और सिक्किम के सीमावर्ती जिलों में व्यापारिक गतिविधियों को बुरी तरह प्रभावित किया है। 'संयुक्त उद्योग व्यापार मंडल' की राष्ट्रीय अध्यक्ष 'गीता गुप्ता' ने इस मुद्दे पर गहरी चिंता जताते हुए भारत सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

'रोजमर्रा की वस्तुओं का व्यापार सबसे ज्यादा प्रभावित'

गीता गुप्ता ने प्रेस वार्ता में कहा, ऋ्नेपाल हमारा सदियों पुराना मित्र राष्ट्र है। दोनों देशों के बीच रोटी–बेटी का संबंध है। सीमावर्ती क्षेत्रों में वर्षों से 'दाल, चावल, आटा, गेहूं, चना, तेल, घी, नमक, चीनी, मसाले, चाय पत्ती, बिस्किट, साबुन, सर्फ, नील, निरमा, सफाई सामग्री, टूथपेस्ट, टूथब्रश, कंघी, दवाइयाँ, पट्टी–दवा, पूजा सामग्री, अगरबत्ती, माचिस, मोमबत्ती, स्टेशनरी, कॉपी–किताब, पेन–पेंसिल, गिफ्ट आइटम, बच्चों के खिलौने, प्लास्टिक का सामान, रेडीमेड कपड़े, चप्पल–जूते, साइकिल एवं बाइक के स्पेयर पार्ट्स, टॉर्च, बैटरी, बल्ब' जैसी दैनिक उपभोग की वस्तुओं का सहज और पारंपरिक आदान–प्रदान होता रहा है। लेकिन अब स्मगलिंग के नाम पर छोटे एवं लघु व्यापारियों को अनावश्यक रूप से परेशान किया जा रहा है।ष्ऋ

'हजारों परिवारों की आजीविका पर संकट'

उन्होंने बताया कि नए नियमों का सबसे ज्यादा असर उत्तर प्रदेश के 'बहराइच, लखीमपुर खीरी, पीलीभीत, श्रावस्ती, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर, महाराजगंज', बिहार के 'सीतामढ़ी, मधुबनी, अररिया, किशनगंज' और उत्तराखंड के 'चंपावत, उधमसिंह नगर' जिलों में देखने को मिल रहा है। इन क्षेत्रों में दैनिक उपयोग की वस्तुओं से जुड़े लगभग '50 हजार से अधिक छोटे व्यापारी' सीधे तौर पर प्रभावित हुए हैं। ऋष्एक तरफ भारत सरकार श्वोकल फॉर लोकलश और छोटे व्यापारियों को बढ़ावा देने की बात करती है, वहीं सीमा पर इन्हीं व्यापारियों को स्मगलर की नजर से देखा जा रहा है। इससे व्यापारियों में भय और असमंजस का माहौल है। कई स्थानों से व्यापारियों को अनावश्यक रूप से प्रताड़ित करने और माल जब्त करने की शिकायतें लगातार मिल रही हैं,ष्ऋ गीता गुप्ता ने कहा।

'स्थानीय नागरिक भी परेशान'

सीमा नियमों की सख्ती का असर केवल व्यापारियों पर ही नहीं, बल्कि आम नागरिकों पर भी पड़ रहा है। सीमावर्ती गांवों में रहने वाले लोग रोजमर्रा की जरूरतों के लिए दोनों देशों में आते–जाते रहे हैं। अब जांच के नाम पर घंटों रोकना, सामान की मात्रा पर सवाल उठाना जैसी घटनाएं आम हो गई हैं। इससे सामाजिक संबंधों पर भी असर पड़ रहा है।

'सरकार से 3 सूत्रीय मांग'

गीता गुप्ता ने केंद्र सरकार से तीन प्रमुख मांगें रखी हैंरू

1. 'तत्काल कूटनीतिक पहलरू' नेपाल सरकार के साथ उच्चस्तरीय वार्ता कर नए नियमों में छोटे व्यापारियों के लिए छूट सुनिश्चित की जाए।

2. 'सीमा पर स्पष्टैव्क्रू' दैनिक उपयोग की वस्तुओं की सूची और मात्रा तय कर स्थानीय प्रशासन को स्पष्ट दिशा–निर्देश जारी हों, ताकि मनमानी रोकी जा सके।

3. 'व्यापारी हेल्पलाइन–' सीमावर्ती जिलों में व्यापारियों की शिकायतों के निस्तारण के लिए 24{7 हेल्पलाइन शुरू की जाए।

'पीएम, विदेश मंत्री को लिखा पत्र'

इस गंभीर मुद्दे को लेकर गीता गुप्ता ने 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, विदेश मंत्री एस. जयशंकर' और 'वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल' से मुलाकात कर विस्तृत पत्र भी सौंपा है। पत्र में उन्होंने कहा है कि भारत–नेपाल की मित्रता का उदाहरण पूरे विश्व में दिया जाता है। छोटे व्यापारियों की समस्याओं का समाधान कर इस मित्रता को और मजबूत किया जाए।

यूपी होमगार्ड्स परीक्षा आज से शुरू, 19 केंद्रों पर 50 हजार अभ्यर्थी शामिल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। यूपी के जौनपुर में उत्तर प्रदेश होमगार्ड्स के पदों के लिए पंजीकरण–2025 की लिखित परीक्षा शनिवार से जिले में शुरू हो गई। 19 परीक्षा केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच कुल 50,400 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हो रहे हैं। यह परीक्षा 27 अप्रैल तक संचालित होगी, जिसके लिए प्रशासन ने नकल विहीन आयोजन सुनिश्चित करने के व्यापक इंतजाम किए हैं। परीक्षा दो पालियों में आयोजित की जा रही है। पहली पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा दूसरी पाली दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक चल रही है। प्रत्येक पाली में करीब 8,400 अभ्यर्थी परीक्षा दे रहे हैं।इस मामले में जानकारी देते हुए अपर पुलिस अधीक्षक शहर आयुश श्रीवास्तव ने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सभी केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है। अभ्यर्थियों को बायोमेट्रिक सत्यापन और सघन तलाशी (फ्रिस्किंग) के बाद ही प्रवेश दिया जा रहा है। इसके अलावा सभी परीक्षा केंद्र सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में रखे गए हैं। नकल रोकने के लिए प्रत्येक केंद्र पर सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट, जोनल मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक एवं बाह्य परीक्षा सहायकों की तैनाती की गई है। साथ ही किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए जिला स्तर पर अधिकारियों को रिजर्व में रखा गया है। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने गर्मी को देखते हुए परीक्षार्थियों की सुविधा के विशेष निर्देश दिए हैं। सभी केंद्रों पर स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है, ताकि दूर–दराज से आने वाले अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। लू और तेज गर्मी से बचाव के लिए प्रत्येक केंद्र पर ओआरएस, इलेक्ट्रॉल पाउडर और आवश्यक जीवन रक्षक दवाएं उपलब्ध कराई गई हैं। स्वास्थ्य विभाग को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे जरूरत पड़ने पर तुरंत प्राथमिक उपचार दिया जा सके। मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए प्रशासन ने परीक्षार्थियों के लिए गुड़ और पेठा जैसी राहत सामग्री की व्यवस्था भी कराई है, जिससे उन्हें भीषण गर्मी में राहत मिल सके।

गर्मी के मौसम में कुत्तों और बिल्लियों में लू एवं निर्जलीकरण का खतरा बढ़ जाता है। इससे बचाने के लिए कुछ महत्वपूर्ण उपाय किये जाने चाहिए।कुत्ते और बिल्ली को हर समय ठंडा और ताजा पानी उपलब्ध कराएं। पशु चिकित्सक की सलाह पर पानी में इलेक्ट्रोलाइट्स मिला सकते हैं। कुत्तों और बिल्लियों को हल्का और आसानी से पचने वाला भोजन दें।तरल भोजन की मात्रा बढ़ा देनी चाहिए। कुत्ते और बिल्लियों को घर के अन्दर, छायादार और हवादार कमरे में रखें। बाहर धूप में कभी न बांधें। बंद गाड़ी में कुत्तों और बिल्लियों को बिल्कुल न छोड़ें। कुत्तों को सुबह जल्दी या देर शाम को टहलाएं, जब धूप व गर्मी कम हो। लंबे बालों वाले कुत्तों और बिल्लियों के बाल ट्रिम करवाएं। कोई समस्या दिखने पर अपने नजदीकी पशु चिकित्सक से तुरंत सम्पर्क करें। डाक्टर आशीष सिंह (भोला पेट्स हॉस्पिटल पारा लखनऊ)

आईसीएसएसआर फेलोशिप में ममता सागर का चयन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर, ।यूपी के जौनपुर में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा शैक्षणिक सत्र 2025दृ26 के लिए घोषित फेलोशिप परिणामों में जौनपुर की होनहार शोधार्थी ममता सागर का चयन हुआ है। ममता, मोहन लाल की पुत्री हैं और उनका यह चयन जिले व विश्वविद्यालय दोनों के लिए गर्व की बात है। ममता सागर का शोध कार्य जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग के डॉ. चंदन सिंह के निर्देशन में संचालित हो रहा है। उन्होंने "इम्पैक्ट ऑफ डिजिटल इंडिया इनिशिएटिवरू वूमेन स्टडी ऑफ वाराणसी कमिश्नरेट" विषय पर अपना शोध प्रस्ताव प्रस्तुत किया था, जिसे उत्कृष्टता और प्रासंगिकता के आधार पर चयनित किया गया। उनका यह शोध डिजिटल इंडिया पहल के तहत महिलाओं पर पड़ने वाले प्रभावों का गहन अध्ययन करेगा। आईसीएसएसआर फेलोशिप सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता वाले शोध को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रदान की जाती है। इस फेलोशिप के अंतर्गत चयनित शोधार्थियों को मासिक आर्थिक सहायता के साथ–साथ शोध कार्य के लिए विशेष अनुदान भी दिया जाता है, जिससे वे अपने अध्ययन को व्यापक और प्रभावी रूप से आगे बढ़ा सकें। उनकी

इस उपलब्धि पर शनिवार को विश्वविद्यालय प्रशासन और शिक्षकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्होंने इसे संस्थान के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताते हुए कहा कि ममता सागर की सफलता अन्य शोधार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत साबित होगी और विश्वविद्यालय में शोध संस्कृति को और मजबूती मिलेगी। ममता सागर की इस उपलब्धि से न केवल विश्वविद्यालय का नाम रोशन हुआ है, बल्कि जौनपुर जनपद का मान–सम्मान भी बढ़ा है।

जौनपुर में बिजली कटौती और स्मार्ट मीटर के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। यूपी के जौनपुर शहर में अघोषित बिजली कटौती और प्रीपेड स्मार्ट मीटर के विरोध में शनिवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। पार्टी के शहर अध्यक्ष आरिफ खान के नेतृत्व में कार्यकर्ता विद्युत उपकेंद्र पर एकत्र हुए और नारेबाजी करते हुए धरना दिया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने प्रदेश सरकार पर जनता का शोषण करने का आरोप लगाया। धरना को संबोधित करते हुए शहर अध्यक्ष आरिफ खान ने कहा कि प्रदेश सरकार स्मार्ट मीटर के जरिए आम जनता पर आर्थिक बोझ डाल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रीपेड स्मार्ट मीटर "जनता को लूटने का माध्यम" बन गया है, जिससे लोगों में भारी आक्रोश है। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियों के कारण आम उपभोक्ता परेशान है और बिजली व्यवस्था चरमरा गई है। आरिफ खान ने शहर में हो रही अघोषित बिजली कटौती का मुद्दा उठाते हुए कहा कि 24 घंटे में मात्र 10 से 12 घंटे ही बिजली मिल पा रही है, जिससे आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी के बीच यह स्थिति लोगों के लिए और भी कठिन हो गई है। सभासद शाहनवाज मंजूर ने भी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि बिजली जैसी बुनियादी सुविधा में कटौती कर जनता को जानबूझकर परेशान किया जा रहा है। वहीं जिला उपाध्यक्ष लाल प्रकाश पाल ने मांग की कि सरकार तत्काल प्रीपेड मीटर की व्यवस्था वापस ले और ग्रामीण क्षेत्रों में कम से कम 20 घंटे बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करे। प्रदर्शन में वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजकुमार गुप्ता, जोहा सब्बू, तौफीक राजू, जैद सिद्दीकी, मोहम्मद ताहिर, संतोष निषाद और अशरफ सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

'इण्टर के छात्र अरुण कुमार ने हासिल किया विद्यालय में प्रथम स्थान'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली–(हरदोई)' माध्यमिक शिक्षा परिषद प्रयागराज द्वारा आयोजित हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा 2026 का परीक्षा परिणाम गुरुवार को घोषित हुआ।जिसमें नगर पंचायत पाली के सेठ बाबूराम भारतीय इण्टर कालेज में विज्ञान वर्ग में अध्ययन रत कक्षा 12 के छात्र अरूण कुमार पुत्र विनोद कुमार ग्राम जमालपुर ने विद्यालय में सर्वाधिक 441 अर्थात 88.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। जानकारी के मुताबिक उक्त छात्र ने पाली नगर में सर्वाधिक अंक हासिल कर जीत का परचम लहराया। वहीं हाईस्कूल की बोर्ड परीक्षा में कालेज की कक्षा

10 की छात्रा कोमल पुत्री रामानंद ग्राम सहजनपुर ने 90.5 प्रतिशत अंक तथा हसन फराज पुत्र मलिक मोहम्मद मजहर मोहल्ला मलिकाना ने 85.16 प्रतिशत अंक अर्जित कर सफलता प्राप्त की। व्यावसायिक वर्ग के आशुलिपि एवं टंकण ट्रेड की छात्रा शिवानी देवी ने 83.8प्रतिशत,छात्रा गोमती देवी ने 83.3 प्रतिशत तथा छात्रा चन्द्रप्रभा शर्मा ने 82.6 प्रतिशत अंक हासिल कर प्रथम,द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रधानाचार्य डॉ वीपी द्विवेदी ने नगर में सर्वाधिक अंक अर्जित करने वाले छात्र अरुण कुमार को पुष्प माला पहनाकर और छात्र का मुंह मीठा कराकर बधाई देकर उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कालेज के प्रधानाचार्य डॉ वेदप्रकाश द्विवेदी ने कहा कि बच्चों की सफलता का श्रेय संबंधित कक्षा अध्यापक एवं विषय अध्यापक के कुशल मार्गदर्शन के साथ–साथ उनके माता पिता को जाता है। प्रधानाचार्य जी ने सभी अच्छे अंकों से उत्तीर्ण छात्र/छात्राओं को बहुत–बहुत बधाई दी साथ ही उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

धूम धाम से मनाया गया साईं बाबा का 30वाँ स्थापना दिवस, हाथी घोड़े पालकी रथ डीजे के साथ निकली शोभा यात्रा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर, ।यूपी के जौनपुर में विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी हुसैनाबाद तिलकधारी महाविद्यालय के बगल स्थित साईं बाबा मंदिर का30 वा स्थापना दिवस शुक्रवार को धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ साईं बाबा मंदिर में विधिवत आरती के उपरांत शुरू हुआ। मंदिर के पुजारी पंकज पांडे द्वारा बाबा की आरती कराई गई। तदुपरांत पालकी अपने कदीम रास्तों से चलते हुए गायत्री माता मंदिर तक हाथी घोड़ा पालकी रथ डीजे बैंड के साथ पहुंची वहां मां गायत्री की आरती के पश्चात पुनः पालकी साईं बाबा मंदिर धाम में पहुंची जहां आरती के उपरांत पालकी का समापन किया गया। तदुपरांत भंडारे का आयोजन किया गया। इस दौरान बाबा की पालकी की एक झलक पाने के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालु बाबा के दरबार में जमे रहे । बाबा के भक्त नाचते गाते बाबा की पालकी लेकर चलते हैं। इस अवसर पर मंदिर के प्रबंधक संजय सिंह संरक्षक व वरिष्ठ अधिवक्ता दुष्यंत सिंह व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष (निरीक्षक मंदिर समिति) इंद्र भान सिंह इंदु, भार्गव सिंह सहित मंदिर परिवार के तमाम सदस्य उपस्थित रहे। वही कार्यक्रम को सफल बनाने में पालकी की शोभा यात्रा निकालने में पालकी संयोजक जगदीश सेठ दीपक श्रीवास्तव पत्रकार, बृजेश कुमार श्रीवास्तव, डॉ अभिषेक मिश्रा सत्यप्रकाश यादव आशीष बरनवाल डॉ अशोक चक्रवर्ती अमित श्रीवास्तव देवांश श्रीवास्तव सूर्यांश श्रीवास्तव राजीव गुप्ता, पंडित पंकज पांडेय आदि भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।उक्त जानकारी मंदिर के मीडिया प्रभारी दीपक श्रीवास्तव द्वारा दिया गया।

छह महीने से बंद बैराज–सरैया मार्ग आवागमन के लिए खोला गया

उन्नाव, (संवाददाता)। सरैया क्रॉसिंग पर आरओबी का निर्माण कार्य होने से छह महीने पहले बंद किए गए गंगा बैराज से सरैया व मरहला होकर जाजमऊ की ओर जाने वाले मार्ग के एक हिस्से को बुधवार को सेतु निगम ने आवागमन के लिए खोल दिया है। अब पुल के एप्रोच मार्ग से मरहला चौराहे की ओर वाहन सवार जा सकेंगे। इससे वाहन सवारों को अतिरिक्त चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। करीब छह माह पहले गंगा बैराज मार्ग से मरहला चौराहा शुक्लागंज की ओर आने व जाने वाले वाहनों का आवागमन रोकने के लिए सेतु निगम की ओर से पुल के प्रवेश द्वार सरैया गांव के सामने मार्ग पर बोल्डर रखवा कर बंद करा दिया गया था। इसके बाद डायवर्जन करते हुए ट्रांस गंगा सिटी से सहजनी होकर सभी छोटे बड़े वाहनों को निकाला जाना शुरू हुआ। ताकि पुल निर्माण कार्य में कोई रूकावट न आ सके। अब पुल का निर्माण कार्य सरैया रेलवे क्रॉसिंग और मरहला चौराहे के बीच पूरा हो गया है। इसके चलते सरैया आरओबी के एक छोर में लगे बोल्डर को हटा दिया गया है, ताकि सिर्फ हल्के वाहन निकल सकें। दो और चार पहिया वाहन मरहला चौराहे से सरैया पुल के एप्रोच मार्ग से होकर आवागमन करेंगे।

हाईस्कूल में बेटियां और इंटर में बेटों ने मारी बाजी

भदोही, (संवाददाता)। यूपी बोर्ड की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की परीक्षा का परिणाम बृहस्पतिवार को जारी हुआ। अबकी बार हाईस्कूल में बेटियां और इंटर में बेटों ने परचम लहराया। हाईस्कूल में टॉप टेन में कुल 16 विद्यार्थी शामिल रहे। इनमें 10 छात्राएं और छह छात्र शामिल हैं। इंटर में 17 विद्यार्थियों में से 11 छात्र और छह छात्राएं शामिल रहीं।हाईस्कूल की परीक्षा में कामता प्रसाद इंटर कॉलेज खरगापुर की अन्नू मौर्य ने 96.17 फीसदी अंक के साथ जिले में टॉप किया, जबकि दूसरे स्थान पर श्री छविराजी माता शंकर इंटर कॉलेज पूरेनगरी पिलखुना की अन्नू रहीं। तीसरे स्थान पर इंटर कॉलेज महमदपुर सेमराध की आस्था पांडेय, छठवें पर शिवांशी यादव, सातवें पर सुनीता विश्वकर्मा, यशि, कविता, आंचल, खुशी, अंजली मोदनवाल ने टॉप टेन में जगह बनाई।

देवा इंटर कालेज के छात्र छात्राओं ने मेरिट सूची पर आकर जिला व प्रदेश में किया स्कूल का नाम रोशन

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। यूपी बोर्ड के हाई स्कूल व इंटरमीडिएट परीक्षा परिणाम में ग्रामीण क्षेत्र के अंग्रेजी माध्यम से संचालित उसरू अमौना स्थित देवा इंटर कॉलेज के विद्यार्थियों ने जिला मेरिट सूची में अपना स्थान बनाया।ग्रामीण अंचल में शिक्षा क्षेत्र में अपना स्थान बनाने वाले उसरू–अमौना अयोध्या स्थित देवा इंटर कॉलेज के छात्र–छात्राओं के हाई स्कूल परीक्षा परिणाम में विद्यालय की छात्रा एकता गुप्ता ने 95.5: अंकों के साथ जिले की मेरिट सूची में चौथा स्थान, छात्रा नंदिनी तिवारी नें 94.83: अंक प्राप्त कर जिले की मेरिट सूची में 6वां स्थान व छात्रा आकृति यादव ने 94.66: अंको के साथ जिले में 7वें स्थान पर परचम लहराया। इसी क्रम में छात्रा जाहनवी साहू 93.5: वैष्णवी दुबे 93.33: दिव्या यादव 93.16:, देवमणि यादव 93.16: पल्लवी भारती 92.67:, आस्था यादव 92.3:, ज्योति यादव 92.33:, पलक मिश्रा 92: रंजना यादव 91.6:, सौरभ 91.83:, सेजल 91.5:, अंश यादव 91.5 :, सोनी 91: अनुराग मिश्रा 90.83: कायनात रहबर 90.16: साक्षी मिश्रा 90: आशुतोष चौधरी 90: तथा अभिनव पांडे ने 90: अंकों के साथ विद्यालय की मेरिट सूची में स्थान बनाया।हाई स्कूल परीक्षा में विषय संबंधी टॉपर इस प्रकार रहे– गणित विषय में 100: अंकों के साथ 7छात्र–छात्राएं–छात्रा एकता गुप्ता, नंदिनी तिवारी, जानवी, वैष्णवी, दिव्या यादव, अंश नरेश सिंह ने अपना परचम लहराया। हिंदी विषय में 98: अंक प्राप्त कर छात्र देवमणि यादव, अंग्रेजी में छात्र एकता गुप्ता तथा नंदिनी तिवारी ने 95:, विज्ञान में छात्रा सेजल व नंदिनी तिवारी ने 96:, सामाजिक विज्ञान में छात्रा आकृति ने 97:, संस्कृत में नंदिनी 96: तथा ड्राइंग में छात्रा आकृति ने 99: अंकों के साथ विद्यालय के विषय टॉपर रहे। इसी प्रकार इंटरमीडिएट परीक्षा परिणाम में 84.6 प्रतिशत अंकों के साथ छात्रा विभा तिवारी विद्यालय टॉपर रही। दूसरे स्थान पर छात्रा आस्था सोनी 84: अंकों के साथ तथा सुधांशु पाठक 83.8: अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। इसी क्रम में छात्रा सुचिता, सृष्टि यादव, लक्ष्मी गुप्ता, प्रभात वर्मा, सृष्टि त्रिपाठी, आकांक्षा रावत, यश तिवारी, आस्था शुक्ला, सोनम कौशल तथा आशू यादव ने विद्यालय टॉपर सूची में अपना स्थान बनाया। विषय टॉपर सूची के अंतर्गत सामान्य हिंदी में 91: अंकों के साथ छात्र सुधांशु पाठक, अंग्रेजी विषय में 88 : अंकों के साथ सुधांशु पाठक, भौतिक विज्ञान में 91: अंकों के साथ सृष्टि त्रिपाठी, रसायन विज्ञान में 93: अंकों के साथ विभा, सृष्टि तथा शिवांशी विषय टॉपर रहे। गणित विषय में 90: अंकों के साथ विभा तिवारी तथा जीव विज्ञान में 96: अंकों के साथ छात्र सुचिता विद्यालय टॉपर बनी। प्रधानाचार्या नमिता मिश्रा ने इस अवसर पर सभी छात्र–छात्राओ, शिक्षकों तथा अभिभावकों को शुभकामनाएं प्रेषित की। इस अवसर पर विद्यालय निदेशक सहदेव उपाध्याय नें कहा कि छात्र छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करके अपने माता–पिता, विद्यालय, क्षेत्र और समाज को गौरवान्वित किया है। मैं सभी छात्र–छात्राओं को इस सफलता पर उनके भविष्य हेतु हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। प्रतिवर्ष शत प्रतिशत परीक्षा परिणाम और मेरिट सूची में स्थान, उत्कृष्ट शिक्षण का प्रमाण है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि विद्यालय, शिक्षक, छात्र छात्राएं व अभिभावक सभी उत्तम शिक्षा के लिए संकल्पित हैं। हाई स्कूल परीक्षा परिणाम में 21 छात्र छात्रों का इंटरमीडिएट छात्र परीक्षा परिणाम में 12 छात्र छात्राओं ने 80: से अधिक अंक प्राप्त करते हुए मेरिट में पहुंचना यह प्रदर्शित करता है कि सभी ने अपने कार्य का पूर्ण व उत्कृष्ट निर्वहन किया है।विद्यालय सदैव उत्कृष्ट शिक्षा हेतु दृढ़ संकल्पित है। विद्यालय इन सभी होनहारों व उनके अभिभावकों को ट्राफी व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित करेगा। एक ही विद्यालय के इतने बच्चों का उत्कृष्ट अंक प्राप्त करना यह प्रदर्शित करता है कि छात्र, शिक्षक, विद्यालय प्रबंधन तथा अभिभावक सभी अपने कार्य के प्रति अत्यंत सजग व सचेत हैं तथा शिक्षा के क्षेत्र में अत्यंत जिम्मेदारी पूर्वक अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए समाज को ऐसे होनहार देने हेतु दृढ़ संकल्पित है जो भविष्य में देश के निर्माण के आधार स्तंभ होंगे। विद्यालय परिवार में परीक्षा परिणाम हेतु सभी छात्र–छात्राएं, शिक्षक–शिक्षिकाएं अत्यंत हर्षित हैं। इसी प्रकार भविष्य में भी विद्यालय अपने कार्य व जिम्मेदारियों के प्रति दृढ़ संकल्पित रहेगा। वही विद्यालय के प्रबंधक सहदेव उपाध्याय ने सभी छात्रों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना किया।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम का समर्थन न करने पर विपक्षी दलों की निंदा प्रस्ताव पास

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।संसद में महिला आरक्षण संशोधन विधेयक के पास न होने को काला दिवस बताते हुए नगर निगम के विशेष सत्र में विपक्षी दलों की कड़ी आलोचना की गई। इस दौरान निंदा प्रस्ताव पास कर कांग्रेस, सपा, तृणमूल कांग्रेस, डीएमके जैसे दलों की निंदा की गई। सदन में महिला पार्षदों ने अपने अधिकारों और नगर निगम द्वारा महिलाओं के हित में किए जा रहे कार्यों को लेकर खुलकर चर्चा की।गांधी सभागार में आयोजित नगर निगम के विशेष सत्र की अध्यक्षता महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी ने की।संचालन पार्षद अर्चना श्रीवास्तव ने किया। उन्होंने कहा कि संसद में 131 वां संशोधन गिरने से साफ हो गया है कि सपा, कांग्रेस, डीएमके और टीएमसी जैसे दल महिलाओं को सम्मानजनक स्थान देने के लिए तैयार नहीं है। उन्होंने इन दलों की आलोचना करते हुए सदन में निंदा प्रस्ताव पेश किया।पार्षद गरिमा मौर्य ने प्रस्ताव का समर्थन करते हुए संविधान संशोधन की इस पहल के लिए प्रधानमंत्री की सराहना की और कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम का विरोध विकास का विरोध है। बदलाव का विरोध है। महिलाओं को समान अधिकार देने का विरोध है, जिसे किसी भी दिशा में स्वीकार नहीं किया जा सकता।पार्षद मनीषा यादव ने नारी शक्ति की चर्चा करते हुए कहा महिलाओं ने अंतरिक्ष से लेकर संसद तक अपनी उपयोगिता साबित की है। देश और राज्य का

प्रशासन–शासन संभाला है। ऐसे में उनकी क्षमता पर भरोसा न करना अनुचित है। उन्होंने नगर निगम की उपलब्धियां की चर्चा करते हुए बताया कि शक्ति रसोई, आवास योजना, सोलर दीदी योजना, स्वच्छ अयोध्या अभियान में महिलाओं की भागीदारी ऐतिहासिक रही है। उन्होंने बताया कि 70 नवीन आंगनबाड़ी केंद्र का निर्माण कराया जा रहा है।कौशल्या सदन का निर्माण हो रहा है।वर्किंग वूमेन हॉस्टल का निर्माण हो रहा है। पिंक टॉयलेट योजना लागू की गई है, जिसके तहत 2000 फाइबर टॉयलेट स्थापित किए गए हैं। महिलाओं के लिए सेनेटरी बेंडिंग मशीन एवं इंसीनरेटर की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

उन्होंने बताया कि 106 करोड़ की लागत से बने हाईटेक नगर निगम परिसर में महिला पार्षदों के लिए पृथक कक्ष का प्रावधान किया गया है। प्रधानमंत्री सुनिधि योजना के तहत 5537 महिलाओं को ऋण वितरित किया गया है, ताकि उन्हें स्वरोजगार के माध्यम से आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाया जा सके। अमृत सखी योजना के तहत महिलाओं को जल गुणवत्ता परीक्षण का प्रशिक्षण दिया गया है। 354 सफाई मित्रों को आयुष्मान कार्ड दिलाया गया है। बर्तन भंडार की स्थापना की गई है। अयोध्या नगर निगम क्षेत्र में अंतर्वस्त्र के विज्ञापन पर पूर्णत प्रतिबंध लगाकर महिलाओं का सम्मान बढ़ाया गया है। सदन की चर्चा में पार्षद अर्चना द्विवेदी, वरिष्ठ पार्षद बृजेंद्र सिंह, अनिल सिंह, अनुज दास, सूर्यकुमार तिवारी सूर्या, सुशील मिश्र बब्लू, जयनारायण सिंह रिंकू, ज्ञान केसरवानी आदि ने हिस्सा लिया। इस मौके पर उपसभापति संतोष सिंह, नगर आयुक्त श्री जयेंद्र कुमार, अपर नगर आयुक्त डॉ. नागेंद्र नाथ, भरत भार्गव, सुमित कुमार, मुख्य कारण निर्धारण अधिकारी गजेंद्र कुमार, महाप्रबंधक जलकर सौरभ श्रीवास्तव समेत सभी विभागों की मुखिया एवं अधिकारी मौजूद थे।

होमगार्ड भर्ती परीक्षा में पहले दिन 784 परीक्षार्थियों ने छोड़ी परीक्षा

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। शनिवार से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच जनपद के 10 परीक्षा केंद्रों पर तीन दिवसीय होमगार्ड भर्ती परीक्षा शुरू हुई।पहले दिन की पहली पाली में 4032 अभ्यर्थी पंजीकृत थे।जिनमें से 3248 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए।जबकि 784 परीक्षार्थी परीक्षा मे अनुपस्थित रहे।बताते चले होमगार्ड की परीक्षा 25 अप्रैल 26 अप्रैल व 27 अप्रैल को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच 10 परीक्षा केदो पर छः पालियों में होगी।परीक्षा को सकुशल संपन्न करने के लिए तथा पारदर्शिता लाने के लिए सभी केंद्रों पर पर्याप्त संख्या में सुरक्षाकर्मी मौजूद रहे। वही इस परीक्षा के नियंत्रण के लिए सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की व्यवस्था की गई है।परीक्षा को सुचारू रुप व सकुशल, नकल विहीन संपन्न करने के लिए जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी, एसएसपी डॉक्टर गौरव ग्रोवर, एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी,एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी,

सीओ सिटी श्रीयश त्रिपाठी सहित नोडल अधिकारी,सेक्टर मजिस्ट्रेट व अन्य प्रशासनिक व पुलिस प्रशासन के अधिकारी परीक्षा केंद्रों पर भ्रमणशील रहे।इसी कड़ी में नकल माफियाओं तथा परीक्षा को लीक करने के वाले लोगो पर शिकंजा कसने के लिए एसटीएफ तथा अन्य खूफियां एजेंसी के अधिकारी तथा कर्मचारी भी सक्रिय रहे।वही सादे वर्दी में सुरक्षाकर्मी महिला तथा पुरुष के साथ–साथ खुफिया विभाग के कर्मचारी खास कर फोटोकापी सहित अन्य दुकानों पर अपनी पैनी निगाह बनाये रखे थे।परीक्षा छूटने के बाद परीक्षार्थी रोडवेज स्टेशन,कैंट रेलवे स्टेशन तथा अन्य पर प्रमुख बाजारों तथा चौराहों के साथ–साथ अन्य प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर हुड़दंग न करने पाए इसके लिए प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर अश्वनी कुमार पांडे, प्रभारी निरीक्षक थाना कैंट संजीव कुमार,महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला, महिला उप निरीक्षक सोनी, प्रिया के अलावा अन्य खुफिया विभाग की एजेंसियों के कर्मचारी बस स्टेशन, कैंकशट रेलवे स्टेशन, के साथ–साथ अन्य प्रमुख चौराहों पर शादी तथा पुलिस के भेष मे भ्रमणशील रहे।

दो पक्षो के विवाद मे चले लाठी डंडे तेजदार हथियार, आधा दर्जन हुए घायल

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।बीती रात रौनाही थाना सत्ती चौरा चौकी क्षेत्र डेरामूसी गांव मे दो पक्षो मनोज कुमार मे मामूली कहासुनी हुई।एक पक्ष द्वारा धारदार हथियार लाठी डंडे से हमलाकर अपना ही छप्पर फूकने का मामला सामने आने की सूचना पर पुलिस मे हडकंप मच गया। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी लाल चंद सरोज सत्तीचौरा चौकी प्रभारी सत्यम अग्रवाल फायर विग्रेड एवं पुलिस दल के साथ घटना स्थल पर पहुंचे।जिसकी जानकारी उच्च अधिकारियो के देने पर सीओ सदर अरविंद सोनकर एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी ने इस संबंध में बताया कि हुए गंभीर रूप से घायल आधा दर्जन आलोक रावत ,मनोज कुमार रावत ,जगराम रावत,संजय, वीरू, राजन, को इलाज के लिए जिला अस्पताल भिजवाया।अधिकारी द्वय ने घटना स्थल का जायजा लेते हुए पूछताछ के लिए तीन लोगो को हिरासत मे लिया।पीडित पक्ष का आरोप है कि बीती रात घर के सामने रेलवे ट्रेक के पास चाचा जगराम रावत भाई संजय चचेरे भाई वीरु राजन के साथ घरेलू संबधित बात कर रहे थे इसी बीच शराब के नशे मे पडोसी शिव कुमार पुत्र भोला पासी आकर भद्दी भद्दी गालियां देने लगा। विरोध करने पर घर जाकर अपने साथ अपने बेटे राहुल भतीजे रंजीत भाई राजकुमार राजेश तथा राजेश का साला आशीष के साथ लाठी डंडे धारदार हथियार कुल्हाड़ी के साथ पहुंचकर हमला कर दिया चीख पुकार की गुहार सुन ग्रामीणो को आता देख अपने घर पहुंचकर खुद अपने छप्पर मे आग लगा दी।इस संबंध मे थाना प्रभारी ने बताया कि एक पक्ष से मिली तहरीर के आधार पर सुसंगत धाराओ मे मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्यवाही की जा रही है।

आये दिन विद्युत कटौती से आम जनमानस बेहाल

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। बिजली निगम की ओर से उपभोक्ताओं को बेहतर आपूर्ति का दावा भले ही किया जा रहा है,लेकिन हकीकत में शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक लोग बिजली संकट से जूझ रहे हैं।शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों में बिजली कब आएगी, कब चली जाएगी, कोई समय तय नहीं है।भीषण गर्मी से लोगों का जीना दुभर हो गया है। रुदौली क्षेत्र मिल्कीपुर क्षेत्र सोहावल क्षेत्र मुमताजनगर क्षेत्र आला अधिकारी को लेकिन जिम्मेदार अभी भी हकीकत पर परदा डाल रहे है।बीते कुछ दिनों से भीषण गर्मी से लोगों का जीना मुश्किल हो गया है।। बीते दो तीन दिनों से जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति लगभग पूरी तरह बंद रही। शुक्रवार सुबह को भी यही हाल था। सोहावल तहसील रौनाही आर एल ग्रामीण नगर पंचायत सभी सप्लाई बंद 30 घंटे मे तीन घंटे न हो सकी सप्लाई ।अवर अभियंता सोहावल से संपर्क हो नहीं सकता क्योंकि उनका सीयूजी नंबर कभी उठता ही नही।वही विधायक प्रतिनिधि भी हुए जवाब हीन सोहावल क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति हुई पूरी तरह फेल इस मुद्दे पर ना तो सत्ता पक्ष संवेदनशील है और ना ही विपक्ष भाजपा सरकार बिजली कटौती में सबसे ज्यादा आगे निकल गई है दिन से लगातार बिजली कटौती की गई जिससे शुक्रवार को शाम को 30 मिनट के लिए सभी जनमानस को बिजली मिली उसके बाद रोस्टिंग टाइम से 8 .15 रोस्टिंग टाइम 9.15 मिनट का था उसके 30 मिनट सप्लाई मिली लेकिन रोस्टिंग का एक बहाना बना बता कर जनता को गुमराह लगातार किया जा रहा है 9.45 से फिर रोस्टिंग किया गया था 10.45 एक घंटे में बिजली मिली फिर उसके बाद फिर से रोस्टिंग टाइम टेबल सेट कर दिया गया है पूरे दिन रोस्टिंग पूरी रात रोस्टिंग टाइम है उसके बाद रोस्टिंग टाइम जनता का बुरा हाल है गर्मी बेमिसाल है न तो सत्तापक्ष के जनप्रतिनिधि भी बिजली कटौती पर एक शब्द तक आवाज नही उठाया ओर न ही विपक्ष इस दौरान किसान को अपनी को गन्ने की फसल पिपरमिंट टमाटर की खेती लौकी तरोई फसल को सीचने के लिए परेशान हो रहा है परंतु समय से किसान का बिल भुगतान न हो तो बिजली विभाग के अधिकारी ट्यूबल का कनेक्शन काटने के लिए सो कर उठ जाते हैं उसी समय जनमानस अगर बिल भुगतान नही दिया तो उसका कनेक्शन काट दिया जाता है इस दौरान अगर किसी फीडर फोन किया जाए तो किसी भी फीडर पर फोन नही लगता है।

अब प्रधानाचार्यो तथा शिक्षकों का निकलेगा वेतन बायोमेट्रिक उपस्थिति के आधार पर

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। अब प्रधानाचार्यो तथा शिक्षकों को शिक्षण कार्य के समय विद्यालय छोड़कर शिक्षा भवन व अन्य जगहों पर रहना भारी पड़ सकता है।क्योंकि अब शासन के निर्देश पर सभी विद्यालयों में संबंधित प्रधानाचार्यो तथा शिक्षकों कों समय से आगमन और प्रस्थान के समय बायोमेट्रिक मशीन पर अगूंठा लगाना पड़ेगा।बायोमेट्रिक उपस्थिति के अनुसार वेतन जारी होगाइस संबंध में जानकारी देते हुए डीआईओएस डॉक्टर पवन कुमार तिवारी ने बताया की आए दिन कॉलेज से यही शिकायत आ रहा था कि कई कॉलेज के प्रधानाचार्य तथा शिक्षक शिक्षण कार्य के दौरान अपने अपने कॉलेज में छात्रों को पढ़ने के बजाय मुख्यालय तथा शिक्षा भवन के आसपास चक्कर लगाते थे अब ऐसा कतई नहीं चलने पाएगा।उन्होंने बताया कि जिले के सभी कॉलेज के प्रधानाचार्य तथा शिक्षकों को समय से आकर बायोमेट्रिक सिस्टम से होकर गुजरना पड़ेगा।अगले बार अगले माह की वेतन बायोमेट्रिक सिस्टम के आधार पर जारी होगा उन्होंने बताया कि जो प्रधानाचार्य और शिक्षक लगातार दो दिन अनुपस्थित पाए जाते हैं तो उनका एक दिन का आकस्मिक अवकाश कटेगा और यह सुधार नहीं होता है। तो शिक्षा विभाग द्वारा उनके विरुद्ध विभागीय कार्यवाही की जाएगी बताते चले की जिले की अधिकतर इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य व शिक्षक संबंधित कॉलेज में शिक्षण कार्य के समय कॉलेज में ना मौजूद होकर शिक्षा भवन के साथ–साथ जिला मुख्यालयों तथा अन्य जगहों पर मौजूद रहते थे जिसके चलते उक्त कालेज में शिक्षण कार्य प्रभावित होता था।इसी पर अंकुश लगाने के लिए यह कदम उठाया गया है।

कुसम्ही बाजार में दो पक्षों में तलवार–चाकू से हमला चार लोग गंभीर घायल, सड़क की जाम

गोरखपुर, (संवाददाता)। एम्स थाना क्षेत्र के कुसम्ही बाजार स्थित रामजानकी मंदिर के पास बृहस्पतिवार रात करीब नौ बजे दो पक्षों के बीच विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। एक पक्ष की ओर से तलवार और चाकू से हमला किए जाने पर चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में कालीचरण, गोविंद, सोनू और गुड्डू शामिल हैं। सभी कुस्मी मार्केट के रहने वाले बताए जा रहे हैं। गुड्डू कसौधन बजरंग दल से जुड़े हैं और बीच–बचाव में उन्हें चोट आई। घटना के बाद इलाके में अफरा–तफरी मच गई। आक्रोशित लोगों ने गोरखपुर–कसया रोड जाम कर दिया। सूचना मिलते ही एम्स थाना पुलिस के साथ एसपी सिटी निमिष पाटील, कैंट सीओ और अन्य फोर्स मौके पर पहुंची और लोगों को समझाकर स्थिति नियंत्रित करने का प्रयास किया। परिजनों का आरोप है कि दूसरे पक्ष के सद्दाम और जब्बार ने अपने साथियों के साथ मिलकर हमला किया और उनके घर में बड़ी मात्रा में हथियार रखे हैं। पुलिस से छापा मारकर बरामदगी की मांग की गई है। घटना के बाद से सद्दाम, जब्बार समेत पांच आरोपी भागे हुए हैं। पुलिस ने संभावित ठिकानों पर दबिश देते हुए तीन संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, कालीचरण और सद्दाम दोनों ऑटो चालक हैं। गुरुवार शाम सवारी बैठाने को लेकर विवाद हुआ था, जो अगले दिन सुबह बढ़ गया। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सुरक्षा के मद्देनजर अतिरिक्त फोर्स तैनात की गई है। मौके पर चौरीचौरा विधायक सरवन निषाद ने पहुंचकर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है।

मॉडर्न इंटर कॉलेज,जाना बाजार के छात्रों का यूपी बोर्ड 2026 में रहा शानदार प्रदर्शन

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। मॉडर्न इंटर कॉलेज, जाना बाजार के विद्यार्थियों ने यूपी बोर्ड परीक्षा 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय एवं क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है।इस वर्ष विद्यालय का परीक्षा परिणाम सराहनीय रहा और अधिकांश विद्यार्थियों ने उच्च अंक प्राप्त किए।हाई स्कूल (कक्षा 10) में पारुल पटेल ने 93: अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। छवि पाण्डेय ने 92% अंक प्राप्त कर द्वितीय तथा शिवम् सोनी ने 91% अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त प्रिंस निषाद (90%), गरिमा गुप्ता (89%) एवं अंशी वर्मा (85%) ने

भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इंटर मीडिएट (कक्षा 12) में सौम्या यादव ने 86% अंक प्राप्त कर शीर्ष स्थान प्राप्त किया। सलोनी सोनी (83.3%), दिवांशी सोनी (83%), अपेक्षा पाण्डेय (82%) एवं ऋचा यादव (80%) ने भी उल्लेखनीय सफलता अर्जित की।विद्यालय के प्रबंधक रमेश चंद्र श्रीवास्तव उप प्रबंधक आशीष रंजन श्रीवास्तव एवं प्रधानाचार्य ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की यह सफलता उनकी मेहनत, अनुशासन एवं शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है।विद्यालय परिवार ने सभी विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को इस उपलब्धि पर हार्दिक शुभकामनाएँ दीं।

शादी में जा रहे युवकों पर मनबढ़ों का हमला, ईंट-डंडे से पीटकर किया घायल

गोरखपुर, (संवाददाता)। शाहपुर थाना क्षेत्र के पादरी बाजार स्थित पप्पू कटरा के पास मंगलवार रात शादी में जा रहे दो युवकों पर मनबढ़ों ने ईंट व डंडे से हमला कर उन्हें घायल कर दिया। घटना के पीछे पुरानी रंजिश बताई जा रही है। मारपीट में एक युवक की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने मामले में सनी चौहान, राम प्रताप और विक्रम चौहान समेत कई अज्ञात पर प्राथमिकी दर्ज कर उनकी तलाश में जुटी है। जानकारी के अनुसार, चौरीचौरा क्षेत्र के डुमरी खास निवासी रवि चौहान अपने दोस्त जंगल धूसड़ निवासी विट्ठल निषाद के साथ बाइक से मंगलवार रात 10:30 बजे पादरी बाजार स्थित एक मैरिज हॉल में शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। जैसे ही वे पप्पू कटरा के पास पहुंचे पहले से घात लगाए आरोपियों ने उन्हें घेर लिया। आरोप है कि गुलरिहा क्षेत्र के हरसेवकपुर नंबर दो चौहान टोला निवासी सनी चौहान, राम प्रताप और विक्रम चौहान अपने चार–पांच साथियों के साथ गाली–गलौज करते हुए

पूर्व सैनिकों और आश्रितों को मिलती रहेंगी बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं

गोरखपुर, (संवाददाता)। एम्स और ईसीएचएस के बीच पूर्व से संचालित समझौता ज्ञापन (एमओयू) का बृहस्पतिवार को आगामी दो वर्षों के लिए नवीनीकरण किया गया। इससे क्षेत्र के पूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों को बेहतर और निर्बाध स्वास्थ्य सेवाएं मिलती रहेंगी। एम्स की कार्यकारी निदेशक डॉ. विभा दत्ता एवं कर्नल काबुल त्यागी ने संयुक्त रूप से एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस दौरान ईडी ने ओपीडी हॉल में स्थापित ईसीएचएस काउंटर के उपलब्ध व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। इस दौरान ईसीएचएस लाभार्थियों को और अधिक सुगम एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने और क्लेम सेटलमेंट प्रक्रिया को सुदृढ़ एवं समयबद्ध बनाने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। ईसीएचएस रक्षा मंत्रालय के अधीन संचालित एक स्वास्थ्य योजना है, जिसके तहत पूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों को पॉलिक्लिनिक, सैन्य अस्पतालों और सूचीबद्ध निजी अस्पतालों के माध्यम से कैशलेस चिकित्सा सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। इस अवसर पर चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजय भारती, डीएमएस डॉ. सुधीर श्याम कुशवाहा, डॉ. शिवांगी राणा एवं डॉ. सामंत सिंह आदि उपस्थित रहे।

नाबालिग से दुष्कर्म की कोशिश का आरोप, पिता गिरफ्तार

गोरखपुर, (संवाददाता)। पीपीगंज थाना क्षेत्र में एक नाबालिग के साथ दुष्कर्म की कोशिश का मामला सामने आया है। आरोप पीड़िता के पिता पर ही लगा है। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। पीड़िता की मां ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि घटना बृहस्पतिवार की सुबह करीब 5:30 बजे की है। वह रोज की तरह घर से बाहर काम पर चली गई थी। घर पर पीड़िता अपनी बहन और पिता के साथ मौजूद थी। इसी दौरान आरोप है कि पिता ने घर के कमरे में सो रही नाबालिग पीड़िता के पास जाकर गलत हरकत करने की कोशिश की। आरोपी ने पीड़िता के कपड़े हटाने का प्रयास किया, जिस पर पीड़िता ने विरोध करते हुए उसे धक्का दिया और किसी तरह वहां से भागकर बाहर आ गई। इसके बाद सहमी हुई पीड़िता ने अपनी बहन को पूरी घटना बताई।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।